INDEX

Sr. No.		Date	Pages	Signature of the Supervisor
1)	Microteaching Lessons			
1.	सर्वनाम			
2.	कबीरदास एक समाज सुधारक			
3.	कबीरदास			
4.	निबंध			
5.	संज्ञा			
2)	Mega Lessons			
1.	रस			
2.	सर्वनाम			
3.	विशेषण			
4.	संधि			
5.	विराम चिह्न			
3)	Discussion Lesson-I			
	रसखान के सवैये			
4)	School Teaching Practice Lessons			
1.	रहीम के दोहे			
2.	अलंकार के भेद			
3.	संज्ञा			
4.	एक तिनका			
5.	कर्फ्यू			
6.	द्रौपदी स्वयंवर			
7.	वचन			
8.	भीम और हनुमान			
9.	अभिमन्यु			
10.	अश्वत्थामा			
11.	राष्ट्रीय प्रतीक			
12.	वाक्य के प्रकार			
13.				
14.				
15.				
5)	Discussion Lesson-II			
6)	Observation Lessons			
7)	School Report			

MICRO TEACHING LESSONS

LESSON No. 1

Date

Pupil Teacher's Name मनजनी शहाब

Class 7th

Subject हिन्दी

Duration of the period 5 मिनट

Pupil Teacher's Roll No.

Average Age of the pupils

Topic सर्वनाम

प्रस्तावना कौशल

क्र.स.	छात्र अध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं
1.	संज्ञा किसे कहते हैं?	किसी व्यक्ति, स्थान या वस्तु के नाम को संज्ञा कहते हैं।
2.	अच्छा बच्चो! संज्ञा के कितने भेद हैं?	पाँच भेद
3.	संज्ञा के पाँच भेदों के नाम बताओ?	1. जातिवाचक, व्यक्तिवाचक, भाववाचक, समूहवाचक, द्रव्यवाचक।
4.	व्यक्तिवाचक संज्ञा के उदाहरण दो	श्याम, हरि, रमेश
5.	अच्छा! जातिवाचक संज्ञा के उदाहरण	घोड़ा, गाय, कौआ

क्र.स.	छात्र अध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं
6.	बच्चो भाववाचक संज्ञा के उदाहरण बताओ?	मीठा, समझ, लम्बाई नम्रता आदि
7.	संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द को क्या कहते हैं?	समस्यात्मक प्रश्न

उपविषय उद्देश्य घोषणा :- अच्छा बच्चो! आज हम सर्वनाम के बारे में विस्तार से पढ़ेंगे।

कौशल की निरीक्षण तालिका :-

क्र.स.	घटक	विवरण तालिका
1.	पूर्व अनुभवों का प्रयोग	0, 1, 2, 3, 4, 5, 6
2.	उचित पुनर्बलन का प्रयोग	0, 1, 2, 3, 4, 5, 6 0, 1, 2, 3, 4, 5, 6
3.	तारतम्यता का प्रयोग	0, 1, 2, 3, 4, 5, 6
4.	शाब्दिक एवं अशाब्दिक व्यवहार की सार्थकता	0, 1, 2, 3, 4, 5, 6

LESSON No. 2

Date.

Duration of the period 6 मिनट

Pupil Teacher's Name मनजनी शहाब

Pupil Teacher's Roll No.

Class 7th

Average Age of the pupils

Subject हिन्दी

Topic कबीरदास एक समाज सुधारक

पुनर्बलन कौशल

क्र.स.	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	घटक
	बच्चो! कल हमने आपको कबीरदास के बारे में बताया था अब आप मुझे यह बताओ कि —		वांछित व्यवहार
1.	कबीरदास का जन्म कहाँ हुआ था? (शाबाश)	वाराणसी में	सकारात्मक शाब्दिक पुनर्बलन
2.	कबीरदास का लालन पालन किसने किया था? (बिल्कुल ठीक)	नीरु और नीमा नामक दम्पत्ति ने	सकारात्मक शाब्दिक पुनर्बलन
3.	कबीरदास को नीरु और नीमा ने कहाँ पाया था? (बहुत अच्छे)	लहरतारा तालाब के किनारे	सकारात्मक शाब्दिक पुनर्बलन
4.	कबीरदास की मृत्यु कहाँ हुई थी? (शाबाश)	मगहर	सकारात्मक शाब्दिक पुनर्बलन

क्र.स.	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात क्रियाएं	घातक
6.	हिन्दु मुस्लिम के मतभेद को दूर करने के लिए उन्होंने क्या किया ? (हाँ-हाँ, ठीक है बताओ)		सकारात्मक शाब्दिक पुनर्बलन

कौशल की निरीक्षण तालिका :-

क्र.स.	घातक	विवरण तालिका
I	वांछित व्यवहार	
1)	सकारात्मक शाब्दिक पुनर्बलन	0, 1, 2, 3, 4, 5, 6
2)	सकारात्मक अशाब्दिक पुनर्बलन	0, 1, 2, 3, 4, 5, 6
3)	अतिरिक्त पुनर्बलन	0, 1, 2, 3, 4, 5, 6
II	अवांछित व्यवहार	
1)	नकारात्मक शाब्दिक पुनर्बलन	0, 1, 2, 3, 4, 5, 6
2)	नकारात्मक अशाब्दिक पुनर्बलन	0, 1, 2, 3, 4, 5, 6
3)	पुनर्बलन का गलत प्रयोग	0, 1, 2, 3, 4, 5, 6

LESSON No. ...3......

Date.............

Duration of the period... 5 मिनट

Pupil Teacher's Name मनजनी राघव

Pupil Teacher's Roll No. ....

Class. नवम

Average Age of the pupils..........

Subject. हिन्दी

Topic... कबीरदास

प्रश्न - कौशल

छात्र अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	घटक
1. बच्चो कुछ कवियों के नाम बताओ।	कबीरदास, सूरदास, मैथिलिशरण गुप्त आदि	
2. कबीर का पालन पोषण किसने किया ?	कोई उत्तर नहीं	अधिक सूचना प्राप्ति
3. नीरू और नीमा नामक दम्पत्ति ने किसको तालाब के किनारे पाया था ?	कबीर दास	पूर्ण केन्द्रण
4. कबीरदास किस तालाब के किनारे मिले थे ?	कोई उत्तर नहीं	
5. क्या तुम इस प्रश्न का उत्तर बताओगे ?	हाँ	पुनः निर्देशन
6. कबीरदास का जन्म कहाँ हुआ था ?	वाराणसी में	अधिक सूचना प्राप्ति

छात्र-अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	घटक
7. कबीरदास मृत्यु के समय मगहर क्यों चले गए ?	हिन्दु-मुसलमान के अन्धविश्वास को खत्म करने के लिए	आलोचनात्मक सजगता में वृद्धि
8. लहरतारा तालाब के किनारे कौन पाया गया था ?	कबीरदास	अनुबोधन

घटक	विवरण तालिका
1. अनुबोधन	0 1 2 3 4 5 6
2. अधिक सूचना प्राप्ति	0 1 2 3 4 5 6
3. पुनः - केन्द्रण	0 1 2 3 4 5 6
4. पुनः - निर्देशन	0 1 2 3 4 5 6
5. आलोचनात्मक सजगता में वृद्धि	0 1 2 3 4 5 6

LESSON No. ...4......

Date.. Duration of the period......5 मिनट..........

Pupil Teacher's Name ...मनजनी शाद्यव Pupil Teacher's Roll No. ....

Class.......नौवी........................ Average Age of the pupils..........................

Subject.......हिन्दी........................ Topic...निबंध (पर्यावरण प्रदूषण)

उद्दीपन-कौशल

छात्र-अध्यापिका क्रिया	छात्र-क्रिया	घटक
हमने पर्यावरण प्रदूषण के बारे मे पढ़ा था। आज हम पर्यावरण प्रदूषण के विभिन्न भागों के बारे में पढ़ेगे जो चार प्रकार के होते हैं? 1. जल प्रदूषण 2. वायु प्रदूषण 3. ध्वनि प्रदूषण 4. मृदा प्रदूषण जल प्रदूषण के कुछ कारण हैं जैसे मृत जानवरों को नाले मे फेंकने से तथा शहरों के गन्दे नाले नदियों मे गिरने से।		
1. पर्यावरण प्रदूषण कितने प्रकार के होते हैं? (चित्र की ओर संकेत करते हुए)	चार प्रकार के	केन्द्रण (हाव भाव के द्वारा)

छात्र अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	घटक
2. पर्यावरण प्रदूषण के चार प्रकार बताओ। (चार्ट की ओर संकेत करते हुए)	जल प्रदूषण, वायु-प्रदूषण, ध्वनि-प्रदूषण, मृदा-प्रदूषण	बोलना (हाव-भाव के साथ)
3. वायु प्रदूषण किन किन कारणों से होता है?	वाहनों द्वारा, चिमनियों द्वारा, कारखानों द्वारा।	अन्तः क्रियात्मक परिवर्तन (अध्यापक-विद्यार्थी
4. ध्वनि प्रदूषण किन-किन कारणों से होता है?	कोई उत्तर नहीं	
5. कोई अन्य विद्यार्थी इस प्रश्न का उत्तर बताए।	लाउड स्पीकर व वाहनों के हॉर्न द्वारा	अन्तः क्रियात्मक परिवर्तन (अध्यापक-विद्यार्थी

घटक	विवरण तालिका
1. संचालन	0 1 2 3 4 5 6
2. हाव-भाव वाणी-स्वरूप परिवर्तन	0 1 2 3 4 5 6
3. बोलना	0 1 2 3 4 5 6
4. अन्तः क्रियात्मक परिवर्तन	0 1 2 3 4 5 6
5. मौन-विराम	0 1 2 3 4 5 6
6. मौखिक दृश्य बदलाव	0 1 2 3 4 5 6
7. विद्यार्थियों का क्रियात्मक	0 1 2 3 4 5 6
8. सहयोग	

LESSON No. 5

Date

Pupil Teacher's Name मनजीत शर्मा

Duration of the period 5 मिनट

Pupil Teacher's Roll No.

Class 7th

Average Age of the pupils

Subject हिन्दी

Topic संज्ञा

दृष्टान्त - कौशल

छात्र - अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	घटक
किसी प्राणी, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं। संज्ञा तीन प्रकार की होती है। व्यक्तिवाचक, जातिवाचक और भाववाचक। व्यक्तिवाचक संज्ञा — किसी विशेष स्थान, प्राणी या वस्तु के नाम को व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं। जातिवाचक संज्ञा — जिस संज्ञा से किसी प्राणी, वस्तु या स्थान की संपूर्ण जाति का बोध हो उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं। भाववाचक संज्ञा — जो शब्द किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान के गुण, दोष, दशा आदि का बोध कराते हैं।		निगमन विधि

छात्र - अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	घटक
1. कृष्ण - सुदामा की मित्रता के बारे में कौन नहीं जानता। इस वाक्य में संज्ञा शब्द बताओ।	कृष्ण, सुदामा और मित्रता	संबंधित उदाहरणों का निर्माण
2. व्यक्तिवाचक, जातिवाचक एवं भाववाचक किसके भेद हैं ?	संज्ञा	सरल उदाहरण का प्रयोग
3. कुरुक्षेत्र में श्री कृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया। इस वाक्य में कौन सी संज्ञा है?	व्यक्तिवाचक संज्ञा	उदाहरणों के लिए उचित माध्यमों का प्रयोग
4. घोड़ा घास खा रहा है? इस वाक्य में कौनसी संज्ञा है?	जातिवाचक संज्ञा	रोचक उदाहरणों का निर्माण
5. गर्मी के कारण थकान जल्दी महसूस होती है। इस वाक्य में कौन सी संज्ञा है?	भाववाचक संज्ञा	सरल उदाहरणों का निर्माण
6. राघव घर जा रहा है। इस वाक्य में संज्ञा शब्द कौन सा है?	राघव	सरल उदाहरणों का प्रयोग

घटक	विवरण तालिका
संबंधित उदाहरणों का निर्माण	
1. सरल उदाहरणों का निर्माण	0 1 2 3 4 5 6
2. रोचक उदाहरणों का निर्माण	0 1 2 3 4 5 6
3. उदाहरणों के लिए उचित	0 1 2 3 4 5 6
4. माध्यमों का प्रयोग	0 1 2 3 4 5 6
(क) शाब्दिक	
(ख) अशाब्दिक	
5. आगमन और निगमन विधि का प्रयोग	0 1 2 3 4 5 6

Sunita

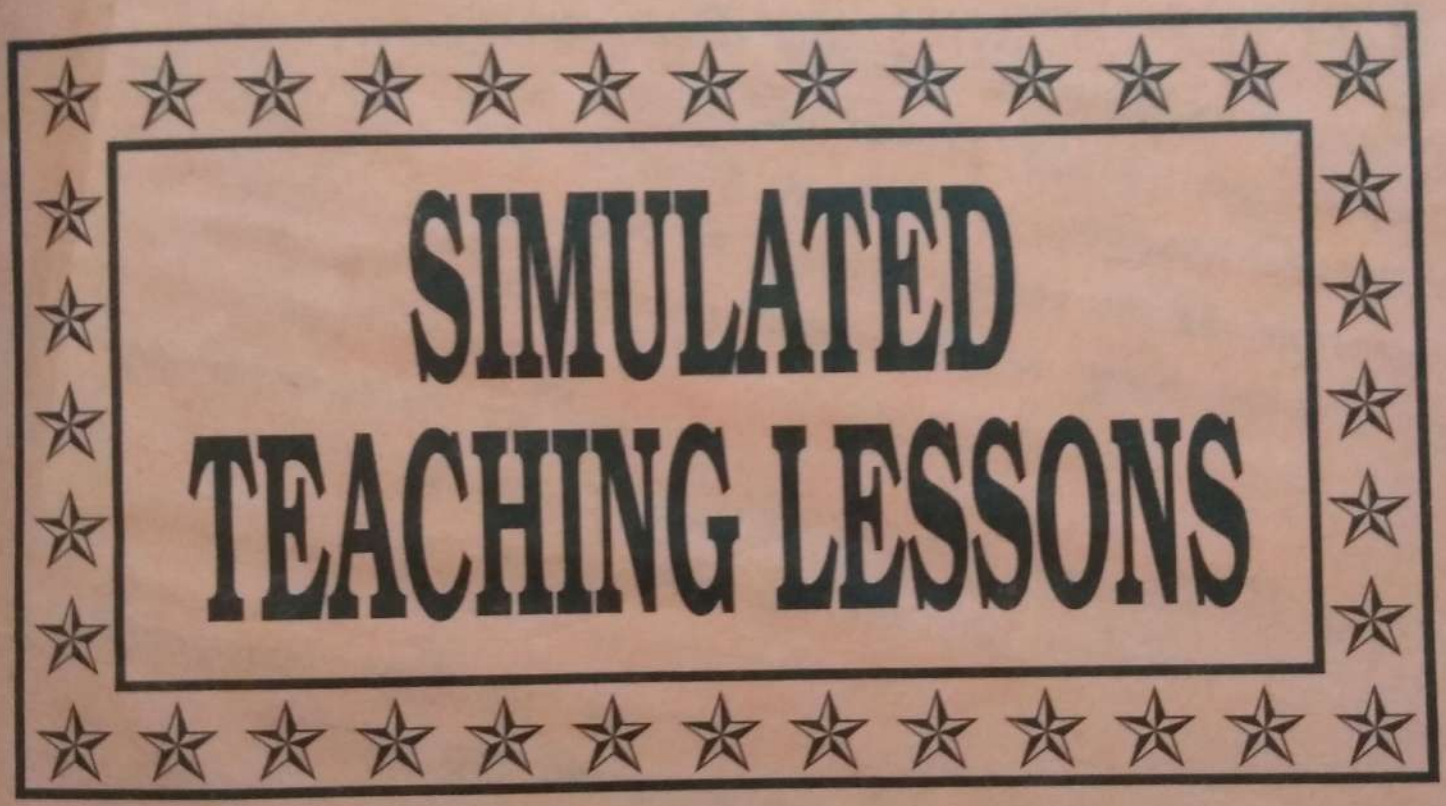

SIMULATED TEACHING LESSONS

सामान्य सामग्री :-
चॉक, श्यामपट्ट, डस्टर, संकेतक आदि

अनुदेशनात्मक सामग्री :-
चार्ट उदाहरण के द्वारा समझाना।

पूर्व ज्ञान :-
छात्र, रस के बारे में जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना :-

छात्र अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया
1. किसी नाटक, कहानी पढ़कर किसी दृश्य को देखकर जिस आनन्द की अनुभूति होती है। उसे क्या कहते हैं।	रस
2. रस की परिभाषा बताओ।	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :- बच्चों आज मैं आपको रस तथा रस के भेदों के बारे में बताऊँगी।

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
रस	किसी दृश्य को देखकर किसी नाटक को देखकर, किसी कहानी को पढ़कर जिस आनन्द की अनुभूति होती है, उसे रस कहते हैं।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनते हैं।	विभाव अनुभाव और व्यभिचारी भाव के संयोग से रस की निरूपत्ति होती है।
रस की परिभाषा	विभाव, अनुभाव और व्यभिचारी भाव के संयोग से रस की निरूपत्ति होती है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनते हैं।	
बोध-प्रश्न	रस किसे कहते हैं?	किसी दृश्य को देखकर, किसी कहानी या नाटक को पढ़कर जो आनन्द मिलता है	
रस के भेद	रस के नौ प्रकार होते हैं। 1. शृंगार रस, 2. हास्य रस, 3. करुण रस, 4. रौद्र रस, 5. वीर रस, 6. भयानक रस, 7. वीभत्स रस, 8. अद्भुत रस, 9. शान्त रस	छात्र ध्यानपूर्वक सुनते हैं।	
बोध प्रश्न	रस के कितने भेद हैं?	रस नौ प्रकार के हैं	

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
रस के स्थायी भाव	रस के स्थायी भाव निम्न हैं- रति, हास्य, शोक, क्रोध, भय, जुगुप्सा, विस्मय, उत्साह, निर्वेद, भक्ति, वात्सल्य।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनते हैं।	
बोध प्रश्न	रस के स्थायी भाव कौन कौन से हैं?	रति, हास्य, शोक, क्रोध, भय, जुगुप्सा, विस्मय, उत्साह, निर्वेद, भक्ति, वात्सल्य	1. संयोग श्रृंगार रस 2. वियोग श्रृंगार रस
श्रृंगार रस	इसका स्थायी भाव रति है। इसके दो भाग हैं- (1) संयोग श्रृंगार रस (2) वियोग श्रृंगार रस		
हास्य रस	किसी नाटक, चुटकुले तथा कहानी पढ़कर तथा किसी हास्यात्मक दृश्य को देखकर जो आनन्द मिलता है उसे हास्य रस कहते हैं।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनते हैं।	रस के भेद (1) श्रृंगार रस (2) हास्य रस (3) करुण रस (4) वीर रस (5) रौद्र रस (6) भयानक रस (7) बीभत्स रस (8) अद्भुत रस (9) शान्त रस
करुण रस	जिस काव्य को पढ़कर या सुनकर हमारे मन में दुख उत्पन्न हो वहाँ करुण रस होता है।		

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट
बोध प्रश्न	पानी परात को हाथ छुओ नहीं, नैनन की जल से पग धोया। यहाँ कौन-सा रस है?	करुण रस	

मूल्यांकन :—

(1) रस की परिभाषा बताओ?
(2) श्रृंगार रस के भेद बताओ?
(3) हास्य रस का उदाहरण दो?
(4) करुण रस किसे कहते हैं?

गृहकार्य :—

1. श्रृंगार रस के कितने भाग हैं?
2. रस के कितने भेद होते हैं?

LESSON No. ...2.......

Date..........

Pupil Teacher's Name मनजीत शहाब

Class.......... पंचम

Subject.......... हिन्दी

Duration of the period....३० मिनट

Pupil Teacher's Roll No. ....

Average Age of the pupils..........

Topic..... सर्वनाम

विषय वस्तु विश्लेषण :-
छात्रों को सर्वनाम तथा सर्वनाम के भेद से अवगत कराना।

सामान्य उद्देश्य :-
(1) छात्रों को सर्वनाम से अवगत कराना।
(2) छात्रों में विचार-विमर्श का विस्तार कराना।
(3) छात्रों को बौद्धिक विकास व मानसिक विकास में सहायता कराना।
(4) छात्रों में कल्पना शक्ति का विस्तार कराना।

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :-
(1) बच्चे सर्वनाम के बारे में जान सकेंगे।
(2) बच्चे सर्वनाम को पहचान सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य :-
छात्र सर्वनाम के उदाहरण के बारे में समझ सकेंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :-
छात्र इनके भेद निकालने की योग्यता रख सकेंगे।

कौशलात्मक उद्देश्य :-
(1) छात्र उदाहरण द्वारा सर्वनाम को बता सकेंगे।
(2) छात्र किसी भी उदाहरण द्वारा सर्वनाम को व्यक्त कर सकेंगे।

सामान्य सामग्री :-
चॉक, श्यामपट्ट, उत्तर, संकेतक आदि।

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :-
चार्ट व उदाहरण के द्वारा समझाना।

पूर्व ज्ञान :-
छात्र सर्वनाम के बारे में जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना :-

छात्र अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया
① संज्ञा किसे कहते हैं?	किसी वस्तु, स्थान भाव या व्यक्ति के नाम को संज्ञा कहते हैं।
② संज्ञा के कितने भेद हैं?	संज्ञा के पाँच भेद हैं।
③ सर्वनाम किसे कहते हैं?	जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं उन्हें सर्वनाम कहते हैं।
④ सर्वनाम के कितने भेद हैं?	समस्यात्मक) प्रश्न

उद्देश्य कथन :-
अच्छा बच्चो! आज मैं आपको सर्वनाम तथा उसके भेदों के बारे में बताऊँगी।

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षण बिंदु	छात्र अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
सर्वनाम	संज्ञा के स्थान पर जो शब्द प्रयुक्त किया जाता है उसे सर्वनाम कहते हैं। सर्व+नाम अर्थात् सर्व = सब, नाम = संज्ञा दो शब्दों से मिलकर बना है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	
सर्वनाम के भेद	सर्वनाम के छः भेद हैं। ① पुरुषवाचक ② निजवाचक ③ निश्चयवाचक ④ प्रश्नवाचक ⑤ अनिश्चयवाचक ⑥ संबंधवाचक		
बोध प्रश्न	सर्वनाम कितने शब्दों से मिलकर बना है?	दो शब्दों सर्व +	
पुरुषवाचक सर्वनाम	पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन भेद हैं :- ① उत्तम पुरुष ② मध्यम पुरुष ③ अन्य पुरुष उत्तम पुरुष → मैं, हम। मध्यम पुरुष → तु, हम। अन्य पुरुष → वह, वे, यह	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	
बोध प्रश्न	सर्वनाम के कितने भेद हैं?	छः भेद हैं।	

सर्वनाम के भेद
① पुरुषवाचक
② निजवाचक
③ निश्चयवाचक
④ अनिश्चयवाचक
⑤ सम्बन्धवाचक
⑥ प्रश्नवाचक

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
निजवाचक सर्वनाम	निजवाचक सर्वनाम का रूप 'आप' है। जैसे- मैं, आप भला तो जग भला।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनते है।	
निश्चयवाचक सर्वनाम	जिस सर्वनाम से वक्ता के पास या दूर की किसी वस्तु के निश्चय का बोध होता है उसे निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे → तुम्हारे लिए यह कोई नया काम नहीं है। ② रोटी मत खाओ यह जली है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	
अनिश्चय वाचक सर्वनाम	जिस सर्वनाम से किसी निश्चय वस्तु का बोध न हो उसे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे → कोई, कुछ ① ऐसा न हो कि कोई आ जाए। ② उसने कुछ नहीं खाया।		
बोध प्रश्न	निश्चयवाचक सर्वनाम का एक उदाहरण बताओ?	यह उसी की किताब है।	
संबंध वाचक सर्वनाम	जिस सर्वनाम से वक्ता का किसी दूसरे सर्वनाम से संबंध स्थापित हो जाए उसे संबंध-		

निश्चयवाचक
उदाहरण →
① तुम्हारे लिए यह कोई नया काम नहीं है।
② रोटी मत खाओ क्योंकि वह जली है।

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	वाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे → जो, सो उदाहरण → वह कौन है, जो रो रहा है?		
प्रश्नवाचक सर्वनाम	प्रश्न करने के लिए जिन सर्वनामों का प्रयोग होता है, उन्हें प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे → क्या, कौन उदाहरण → ① कौन आया है? ② तुम क्या खा रहे हो? ध्यान रखना चाहिए कि 'कौन' का प्रयोग चेतन जीवों के लिए 'क्या' का प्रयोग जड़ पदार्थों के लिए होता है।		

प्रश्नवाचक
जैसे — कौन, क्या
उदाहरण —
① तुम क्या खा रहे हो?
② कौन आ है?

मूल्यांकन :—
① सर्वनाम किसे कहते हैं?
② सर्वनाम के भेद बताओ?
③ पुरुषवाचक सर्वनाम के कितने भेद हैं?
④ प्रश्नवाचक सर्वनाम किसे कहते हैं?

गृहकार्य :-

1. सर्वनाम किसे कहते हैं?
2. सर्वनाम के भेद विस्तार से बताओ?
3. पुरुषवाचक सर्वनाम के कितने भेद हैं?

संदर्भ पुस्तिका :-

पाठ्यपुस्तक 'हिन्दी व्याकरण' हरियाणा शिक्षा बोर्ड कक्षा 7 की पुस्तक से लिया गया है।

→ Introduction

LESSON No. 3

Date	Duration of the period 20 मिनट
Pupil Teacher's Name मनजनी शाक्य	Pupil Teacher's Roll No.
Class 7th	Average Age of the pupils
Subject हिन्दी	Topic विशेषण

विषय वस्तु विश्लेषण :-

छात्रों को विशेषण के बारे में परिचित कराना।

सामान्य उद्देश्य :-

1. छात्रों को विशेषण से अवगत कराना।
2. छात्रों में विचार विमर्श का विस्तार करना।
3. छात्रों को बौद्धिक व मानसिक विकास में सहायता करना।
4. छात्रों में लेखन कौशल वृद्धि करना।

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :-

1. छात्र विशेषण के बारे में जान सकेंगे।
2. छात्र विशेषण से अवगत करा सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य :-

छात्र विशेषण के उदाहरण के बारे में समझ सकेंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :-

छात्र विशेषण के भेद निकालने की योग्यता रख सकेंगे।

कौशलात्मक उद्देश्य :-

1. छात्र उदाहरण द्वारा विशेषण को बता सकेंगे।
2. छात्र किसी भी उदाहरण द्वारा विशेषण को व्यक्त कर सकेंगे।

सामान्य सामग्री :-
चॉक, श्यामपट्ट, संकेतक, डस्टर आदि।

अनुदेशनात्मक सामग्री :-
चार्ट एवं उदाहरण के द्वारा समझाना।

पूर्व ज्ञान :-
छात्र विशेषण के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना :-

छात्र अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया
1. संज्ञा किसे कहते हैं?	किसी व्यक्ति, वस्तु, भाव या स्थान के नाम को संज्ञा कहते हैं।
2. संज्ञा के कितने भेद हैं?	संज्ञा के पाँच भेद होते हैं।
3. सर्वनाम किसे कहते हैं?	जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होता है उसे सर्वनाम कहते हैं।
4. विशेषण किसे कहते हैं?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :-
अच्छा बच्चो आज हम विशेषण के बारे में बताऊँगी।

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षण बिंदु	छात्र अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्टकार्य
विशेषण	जो संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताए, उसे 'विशेषण' कहते हैं। जिसकी विशेषता बताई जाये उसे 'विशेष्य' कहते हैं। जैसे— 'काला घोड़ा' इसमें घोड़ा संज्ञा है और काला विशेषण है।	ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	
विशेषण के भेद	विशेषण के भेदों का वर्गीकरण इस प्रकार है :- ① सार्वनामिक विशेषण ② गुण वाचक विशेषण ③ संख्यावाचक विशेषण		
बोध प्रश्न	विशेषण किसे कहते हैं।	जो संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताए।	
सर्वनामिक विशेषण	निजवाचक (मैं, तू, वह) के सिवाय अन्य सर्वनाम जब किसी संज्ञा के पहले आते हैं। तब वे सर्वनामिक विशेषण कहलाते हैं। उदाहरण → वह नौकर नहीं आया। यहाँ 'नौकर' संज्ञा के पहले विशेषण के रूप में 'वह' आया है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	विशेषण के भेद ① सार्वनामिक ② गुणवाचक ③ संख्यावाचक

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
गुणवाचक विशेषण	जिस शब्द से संज्ञा या गुण, दशा, स्वभाव आदि का बोध होता है उसे "गुणवाचक विशेषण" कहते हैं। विशेषणों में इनकी संख्या सबसे अधिक है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	
गुणवाचक विशेषण के रूप	इनके मुख्य रूप छः प्रकार हैं:- काल, स्थान, आकार, रंग, दशा, गुण, द्रष्टव्य,		गुणवाचक विशेषण 1. काल 2. स्थान 3. आकार 4. रंग 5. दशा 6. गुण 7. द्रष्टव्य
बोध प्रश्न	विशेषण कितने प्रकार के हैं?	तीन प्रकार के सर्वनामिक, गुणवाचक, संख्यावाचक।	
संख्यावाचक विशेषण	जिन शब्दों से संज्ञा या सर्वनाम की संख्या का बोध हो उन्हें संख्या वाचक विशेषण कहते हैं। जैसे → चार घोड़े, तीस दिन, चालीस चोर आदि।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	
संख्यावाचक विशेषण के भेद	संख्यावाचक विशेषण के तीन मुख्य भेद होते हैं:- ① निश्चित संख्यावाचक		

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	विशेषण → एक, दूसरा, पूरा आदि ② अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण → कुछ, सब, कोई आदि ③ परिमाण बोधक संख्यावाचक विशेषण → दो सेर घी, दस हाथ जगह।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	परिमाण बोधक के भेद — ① निश्चित परिमाण बोध ② अनिश्चित परिमाण बोध
परिमाण बोध	इसके दो भाग हैं:- ① निश्चित परिमाण बोधक ② अनिश्चित परिमाण बोधक		

मूल्यांकन :-

① विशेषण किसे कहते हैं?
② विशेषण के भेद बताओ?
③ सर्वनामिक विशेषण के उदाहरण दो?
④ गुणवाचक विशेषण के कितने रूप हैं?
⑤ संख्यावाचक विशेषण के कितने भेद हैं?

गृह कार्य :-

1. विशेषण किसे कहते हैं?
2. विशेषण के भेद बताओ?
3. गुण वाचक विशेषण के रूप बताओ?
4. संख्यावाचक विशेषण के कितने भेद हैं?

संदर्भ पुस्तिका :-

प्रस्तुत पाठ्य सामग्री हरियाणा शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रकाशित पाठ्य पुस्तक 'हिन्दी व्याकरण' से ली गई है।

LESSON No. ...4.....

Date........................ Duration of the period ....40 मिनट........

Pupil Teacher's Name ...मन्जनी शर्मा... Pupil Teacher's Roll No. ....

Class ....नवम.... Average Age of the pupils ....

Subject ....हिन्दी.... Topic ....संधि....

विषय वस्तु विश्लेषण :-
छात्रों को संधि एवं संधि के भेद से परिचित कराना।

सामान्य उद्देश्य :-
छात्रों को संधि के भेद से अवगत कराना।
(1) छात्रों में विचार विमर्श का विस्तार करना।
(2) छात्रों में कल्पना शक्ति का विस्तार करना।
(3) छात्रों के लेखन कौशल में वृद्धि करना।
(4)

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :-

(1) ज्ञानात्मक उद्देश्य :-
संधि तथा संधि के भेद से छात्रों को अवगत करा सकेंगे।

(2) बोधात्मक उद्देश्य :-
छात्रों को संधि एवं संधि के भेद बताने योग्य बना सकेंगे।

(3) प्रयोगात्मक उद्देश्य :-
(1) छात्रों को प्रयोग द्वारा संधि के भेद बता सकेंगे
(2) छात्रों को उदाहरण द्वारा संधि से अवगत करा सकेंगे

(4) कौशलात्मक उद्देश्य :-
छात्र संधि की तुलना और विश्लेषण कर सकेंगे।

सामान्य सामग्री :-
श्यामपट्ट, डस्टर, चॉक, संकेतक आदि।

अनुदेशनात्मक सामग्री :-
चार्ट उदाहरण के द्वारा समझाना।

पूर्व ज्ञान -
छात्र संधि के बारे में सामान्य ज्ञान रखते हैं।

प्रस्तावना :-

छात्र अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया
1. हिन्दी में वर्ण के तल बताओ	स्वर और व्यंजन
2. स्वर किसे कहते हैं?	जिनका उच्चारण बिना अवरोध होता है।
3. स्वर के उदाहरण दो?	अ, आ, इ, ई, उ आदि।
4. संधि किसे कहते हैं?	दो वर्णों के मेल को कहते हैं।
5. संधि के भेद बताओ?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :-
अच्छा बच्चों आज मैं आपको संधि तथा संधि के भेदों के बारे में बताऊँगी।

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
संधि	दो वर्णों के मेल से होने वाले विकार को 'संधि' कहते हैं।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	स्वर संधि के भेद 1. दीर्घ 2. गुण 3. वृद्धि 4. यण 5. अयादि
संधि के भेद	वर्णों के आधार पर संधि के तीन भेद होते हैं :- ① स्वर संधि, ② व्यंजन संधि, ③ विसर्ग संधि।		
स्वर संधि	दो स्वरों के मेल से उत्पन्न विकार अथवा रूप परिवर्तन को स्वर संधि कहते हैं।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	
स्वर संधि के भेद	स्वर संधि के पाँच भेद हैं :- ① दीर्घ, ② गुण, ③ वृद्धि, ④ यण ⑤ अयादि।		
बोध प्रश्न	संधि के कितने भेद होते हैं?	वर्णों के आधार पर तीन भेद हैं।	
दीर्घ स्वर संधि	दो स्वर संधि मिलकर दीर्घ हो जाते हैं :- जैसे - अ + अ = आ शिव + आलय = शिवालय अन्न + अभाव = अन्नाभाव	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
गुण स्वर संधि	यदि 'अ' या 'आ' के बाद 'इ' या 'ई' 'उ' या 'ऊ' आये तो दोनों मिल कर क्रमशः 'ए' और 'ओ' हो जाते हैं। जैसे → देव + इन्द्र = देवेन्द्र चन्द्र + उदय = चन्द्रोदय देव + ऋषि = देवर्षि	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	
बोध प्रश्न	स्वर संधि के कितने भेद हैं?	5 भेद	
वृद्धि स्वर संधि	यदि 'अ' या 'आ' के बाद 'ए' या 'ऐ' आये तो दोनों के स्थान में 'ऐ' हो जाता है। जैसे → एक + एक = एकैक सदा + एव = सदैव परम + औषध = परमौषध	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	वृद्धि स्वर संधि एक + एक = एकैक सदा + एव = सदैव परम + औषध = परमौषध
यण स्वर संधि	यदि 'इ', 'ई', 'उ', 'ऊ' और 'ऋ' के बाद कोई भिन्न स्वर आए तो इ-ई का 'य्' 'उ-ऊ' का 'व्' और 'ऋ' का 'र्' हो जाता है। जैसे → यद्यपि = यद + अपि		

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	अनु + अय = अनुनय मधु + आलय = मधुरालय	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	
अयादि स्वर संधि	ने + अन = नयन नै + अक = नायक गै + अक = गायक पौ + अन = पवन		अयादि स्वर संधि के भेद ने + अन = नयन नै + अक = नायक गै + अक = गायक पौ + अन = पवन
व्यंजन स्वर संधि	यदि क, च, ट, त, प के बाद किसी वर्ग का तृतीय या चतुर्थ वर्ण आये तो क, च, ट, त, प के स्थान पर अपने ही वर्ग का तीसरा वर्ण हो जाता है। जैसे → दिक् + गज = दिग्गज	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	
विसर्ग संधि	निः + चय = निश्चय निः + तार = निस्तार		

मूल्यांकन :-

संधि किसे कहते हैं?

① संधि के कितने भेद हैं?

② स्वर संधि किसे कहते हैं?

③ स्वर संधि के भेद बताओ?

④ वृद्धि स्वर संधि का उदाहरण बताओ।

⑤

गृह कार्य :-

① संधि के कितने भेद हैं?

② दीर्घ स्वर संधि के उदाहरण दो?

③ वृद्धि स्वर संधि के उदाहरण बताओ?

④ अयादि स्वर संधि के उदाहरण बताओ?

Good

संदर्भ पुस्तिका :-

प्रस्तुत पाठ्य पुस्तक हिन्दी व्याकरण हरियाणा शिक्षा बोर्ड द्वारा लिया गया है।

LESSON No. ...5.....

Date.........................
Duration of the period ..20 मिनट

Pupil Teacher's Name .. मनस्वी यादव
Pupil Teacher's Roll No. ....

Class.... 7th
Average Age of the pupils.........................

Subject.... हिन्दी
Topic.. विराम चिह्नों का प्रयोग

विषय वस्तु विश्लेषण :-

छात्रों को विराम चिह्नों के प्रयोग के बारे में अवगत कराना।

सामान्य उद्देश्य :-

छात्रों को विराम चिह्नों से अवगत कराना।

① छात्रों में विचार विमर्श का विस्तार करना।

② छात्रों के मानसिक व बौद्धिक विकास में सहायता करना।

③

④ छात्रों के लेखन कौशल में वृद्धि करना।

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :-

① ज्ञानात्मक उद्देश्य :-

छात्रों को विराम चिह्नों के प्रयोग के बारे में जानकारी प्रदान करना।

② बोधात्मक उद्देश्य :-

छात्रों को विराम चिह्नों को पहचानने अथवा भेद बताने के योग्य बना सकेंगे।

③ प्रयोगात्मक उद्देश्य :-

छात्रों को उदाहरणों द्वारा विराम चिह्नों से अवगत करा सकेंगे।

④ कौशलात्मक उद्देश्य :-

छात्र विराम चिह्नों की तुलना तथा विश्लेषण कर सकेंगे।

सामान्य सामग्री :-
चॉक, श्यामपट्ट, डस्टर, संकेतक आदि।

अनुदेशनात्मक सामग्री :-
चार्ट उदाहरण द्वारा समझाना।

पूर्व ज्ञान :-
छात्र विराम चिह्नों के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना :-

छात्र अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया
1. शब्द किसे कहते हैं?	अक्षर के समूह को शब्द कहते हैं।
2. वाक्य किसे कहते हैं?	शब्दों के समूह को वाक्य कहते हैं।
3. वाक्य साधारण है या प्रश्नवाचक कैसे पता चलता है?	विराम चिह्नों के द्वारा
4. विराम चिह्न किसे कहते हैं?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :-
बच्चो आज हम विराम चिह्नों के बारे में पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
विराम चिह्न	'विराम' का शाब्दिक अर्थ है 'ठहराव'। जीवन की दौड़ में मनुष्य को कहीं न कहीं रुकना या ठहरना पड़ता है। विराम की आवश्यकता हर व्यक्ति को होती है। जब हम काम करते करते थक जाते हैं तो हमें आराम की आवश्यकता होती है। आराम विराम का दूसरा नाम है। पाठक के भाव-बोध को सरल और सुबोध बनाने के लिए विराम चिह्नों का प्रयोग होता है।	छात्र ध्यान पूर्वक सु रहे हैं।	विराम चिह्न 1. पूर्ण विराम 2. अल्प विराम 3. योजक चिह्न 4. प्रश्न वाचक 5. विस्मयादि बोधक 6. उद्धरण
हिन्दी में प्रयुक्त विराम चिह्न	हिन्दी में निम्नलिखित विराम चिह्नों का प्रयोग होता है:- पूर्ण विराम ② अल्प विराम ① योजक चिह्न ④ प्रश्नवाचक ③ चिह्न ⑤ विस्मयादि बोधक ⑥ उद्धरण चिह्न।	छात्र ध्यान पूर्वक सु रहे हैं।	
बोध प्रश्न	विराम का शाब्दिक अर्थ क्या है?	ठहराव	

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
विराम चिह्न पूर्ण विराम (।)	पूर्ण विराम का अर्थ है पूरी तरह रुकना या ठहरना। जहाँ वाक्य की गति अंतिम रूप ले ले, विचार का तार एक दम टूट जाए, वहाँ पूर्णविराम का प्रयोग होता है। जैसे -> यह हाथी है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	
अल्प विराम (,)	अल्प विराम का अर्थ है थोड़ी देर के लिए रुकना या ठहरना। वाक्य में जब दो से अधिक वाक्यों में संयोजक अथवा समान पदों, पदांशों 'और' की गुंजाइश हो, तब अल्प विराम का प्रयोग होता है। जैसे -> राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न राजभवन में पधारे।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	अल्पविराम का उदाहरण राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न राज-भवन में पधारे
बोध प्रश्न	पूर्ण विराम का एक उदाहरण दो।	द्रौपदी पाण्डवों की पत्नी है।	
योजक चिह्न (—)	हिन्दी में इसका प्रयोग होता है। जैसे -> पृथ्वी पर जो रामनाम गाते हैं, मैं		

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	उन्हें बार-बार प्रणाम करता हूँ।		
प्रश्नवाचक चिह्न (?)	प्रश्नवाचक चिह्न का प्रयोग जहाँ प्रश्न करने या पूछे जाने का बोध हो। जैसे -> आपका क्या नाम है? (2) आप क्या करते हैं?	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	
विस्मयादि बोधक चिह्न (!)	इसका प्रयोग हर्ष, विषाद, विस्मय, घृणा, आश्चर्य, करुणा, भय इत्यादि भाव व्यक्त करने के लिए किया जाता है। जैसे -> वाह! तुम्हारे क्या कहने। (2) हे राम! मेरा दुख दूर करो।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	हर्ष विषाद विस्मय, घृ करुणा, भय जैसे — 1. वा तुम्हारे क्या कहने। 2. हे राम ! मेरा दुख दू करो।
उद्धरण चिह्न (" ")	उद्धरण चिह्न के दो रूप हैं इकहरा (' ') और दुहरा (" ")। जैसे -> "जीवन विश्व की सम्पत्ति है।" — जयशंकर प्रसाद 'कात्यायनी' की कथा संक्षेप में लिखिए।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	

मूल्यांकन :—
विराम चिह्न किसे कहते हैं?
① अल्प विराम चिह्न का उदाहरण बताओ।
② संबंधवाचक चिह्न किसे कहते हैं?
③ विराम चिह्न के कितने भेद हैं?
④

गृह कार्य :—

1. विराम चिह्नों का विस्तार से वर्णन करो।
2. प्रश्नवाचक वाक्य को हम कैसे पहचानते हैं?
3. विराम चिह्न कितने प्रकार के होते हैं?

संदर्भ पुस्तिका :—
प्रस्तुत पाठ्य सामग्री कक्षा सातवीं की पाठ्य-पुस्तक 'हिन्दी व्याकरण' से ली गई है।

- More emphasise on explanation
- C.B.W is good.
- T. aids are not used.

DISCUSSION LESSON

अनुदेशनात्मक सामग्री :-
चार्ट उदाहरण द्वारा प्रदर्शित करना।

पूर्व ज्ञान :-
छात्र रहीम के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना :-

छात्र अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया
1. कुछ कवियों के नाम बताओ	कबीरदास, रहीम, रसखान, कालीदास, आदि।
2. किन्ही दो कवियों के नाम बताओ जो दोहे लिखते हैं?	रहीम, कबीरदास
3. रहीम के दोहे किस से सम्बंधित हैं?	रहीम के दोहे नीति से सम्बंधित हैं।
4. रहीम का कोई एक दोहा बताओ?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :-
अच्छा बच्चो! आज हम 'रहीम के दोहे' पढ़ेंगे।

प्रस्तावना :—

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपत्र कार्य
कवि परिचय	रहीम जी एक नीति विचारक कवि थे। इनके सभी दोहों में लगभग नीति संबंधी विचार प्रकट होते हैं। इनके दोहे मनुष्य को जीवन में नई दिशा देकर व्यवहार कुशल बनाते हैं।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	
सारांश	रहीम जी प्रस्तुत दोहे में नीति संबंधी विचार प्रकट किए हैं। ये रहीम जी के दोहे जो हैं इसमें पहले दोहे में रहीम जी ने अपने पराये पर भेद जानने पर बल देते हुए कहा है कि— विपत्ति में ही अपने पराए का पता चलता है। दूसरे दोहे में रहीम जी ने बताया है कि जीवन में जो कुछ बातें छिपाने पर भी नहीं छिपाई जा सकतीं। तीसरे दोहे में रहीम जी ने मानव को मोह त्याग के बारे में कहा है। मोह न	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	

कहि - कहते हैं
बनत - बनते हैं
कसे - परीक्षण
तेई - वही
साँचे - सच्चे
मीत - मित्र

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	प्यास पाने के कारण मछली बिन पानी तड़प-तड़प कर मर जाती है। चौथे दोहे में रहीम जी ने परोपकार के महत्व को दर्शाया है पाँचवे दोहे में रहीम जी ये कहते हैं कि प्रदर्शन करने वाले लोग जीवन में कुछ न करके अतीत की यादों में डूबे रहते हैं। अन्तिम दोहे में रहीम जी कहते हैं कि हमें हर समय समान बने रहना चाहिए। समभाव में स्थित मनुष्य अच्छे बुरे सभी समय को धीरता से जी लेता है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	
आदर्श वाचन	(1) कहि रहीम सम्पत्ति सगे, बनत बहुत बहु रीत। बिपत्ति कसौटी जे कसे, तेई साँचे मीत॥	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	
अनुकरण वाचन	(अध्यापिका बच्चों से पढ़ने के लिए कहती है)	कहि रहीम सम्पत्ति सगे, बनत बहुत बहु रीत। बिपत्ति कसौटी जे कसे, तेई साँचे मीत॥	

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
शब्दार्थ कथन	कहि – कहते हैं, बनत – बनते हैं कसे – परीक्षण, तेई – वही, साँचे – सच्चे, मीत – मित्र।	ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	
भावार्थ	रहीम जी कहते हैं कि मनुष्य के पास जब तक सभी धन संपत्ति होती है तब तक सभी सगे-संबंधियों-सा व्यवहार करते हैं। यह बहुत पुरानी रीति है। लेकिन जीवन में कुछ सच्चे मित्र होते हैं, जो बिपत्ति में हमारी सहायता करके इस परीक्षा में खरे उतरते हैं।	छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं।	
सौंदर्य बोध परीक्षण	इस दोहे के माध्यम से रहीम जी किसकी पहचान करा रहे हैं ?	अपने-पराये की पहचान करा रहे हैं।	
आदर्श वाचन	(2) जाल परे जल जात, बहि तजि मीनन को मोह। रहीमन मछली नीर को तऊ न छोड़ति छोह॥	छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं।	
अनुकरण वाचन	कोई एक छात्र इस दोहे को पढ़े।	जाल परे जल जात, बहि तजि मीनन को मोह। रहीमन मछली नीर को तऊ न छोड़ति छोह॥	

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट
शब्दार्थ कथन	परे-पड़ने पर, जात - जाता है बहि - बह, तजि - त्याग करना मीनन - मछली का, मछरी - मछली नीर - जल, तऊ - तब तक	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	परे - पड़ने पर जात - जाता है मीनन - मछली मछरी - मछली नीर - जल तऊ - तब तक
भावार्थ	रहीम जी कहते हैं कि मोह ग्रस्त व्यक्ति प्रियजन से बिछड़ने पर मछली की तरह तड़पता है। जाल पड़ने पर पानी मछली का मोह त्यागकर जाल में इधर-उधर से निकल जाता है। लेकिन मछली जल से अपना मोह नहीं त्याग पाती। जिस कारण वह जल के वियोग में तड़प-तड़प कर मर जाती है।		
आदर्श वाचन	③ तरुवर फल नहीं खात है, सरवर पियत न पान। कहि रहीम परकाज हित, संपत्ति संचहि सुजान ॥		
अनुकरण वाचन	आप में से कोई एक छात्र इस दोहे को पढ़े।	तरुवर फल नहीं खात हैं, सरवर पियत न पान। कहि रहीम परकाज हित, संपत्ति संचहि सुजान ॥	

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट
शब्दार्थ	तरुवर - वृक्ष, खात - खाना, सरवर - तालाब, पियत - पीना, पान - जल, परकाज - दूसरे के कार्य संचहि - इकट्ठा करते हैं।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	तरुवर - वृक्ष खात - खाना सरवर - तालाब पियत - पीना पान - जल परकाज - दूसरों के कार्य
भावार्थ	इस दोहे में रहीम जी कहते हैं कि - वृक्ष कभी भी स्वयं अपने फल नहीं खाता तथा सरोवर अर्थात् तालाब कभी भी स्वयं अपना पानी नहीं पीता। ठीक उसी प्रकार सज्जन व्यक्ति भी दूसरों के भले के लिए धन-सम्पत्ति का संचय करते हैं।		

मूल्यांकन :-

① रहीम जी कैसे विचारों के कवि थे?
② पहले दोहे से हमें क्या सीख मिलती है?
③ तरुवर का क्या अर्थ है?
④ तीसरे दोहे से हमें क्या सीख मिलती है?

गृह कार्य :—

1. रहीम के दोहे का सारांश लिखो ?
2. इन दोहों से हमें क्या शिक्षा मिलती है ?
3. रहीम के तीसरे दोहे का क्या अर्थ है ?

संदर्भ पुस्तिका :—

प्रस्तुत पाठ्य सामग्री कक्षा सातवीं की पाठ्य पुस्तक 'वसंत' में संगृहित 'रहीम के दोहे' पाठ से ली गई है।

→ Introduction was good.
→ Explanation was satisfactory.
→ T. aids were not used.

Sunita

SCHOOL TEACHING PRACTICE LESSONS

LESSON No. 1

Date ....

Duration of the period 20 मिनट

Pupil Teacher's Name मनजनी शाक्य

Pupil Teacher's Roll No. ....

Class 9th

Average Age of the pupils ....

Subject हिन्दी

Topic रसखान के सवैये

विषय वस्तु विश्लेषण :-
छात्रों को रसखान के सवैये से परिचित कराना।

सामान्य उद्देश्य :-
1) छात्रों को कवि परिचय कराना।
2) छात्रों के विचार विमर्श का विस्तार करना।
3) छात्रों के मानसिक व बौद्धिक विकास में सहायता करना।
4) छात्रों कल्पना शक्ति का विस्तार करना।
5) छात्रों को विषय के संबंध में सामान्य ज्ञान वर्धित करना।
6) छात्रों में लेखन कौशल-वृद्धि करना।

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :-

1) ज्ञानात्मक उद्देश्य :- रसखान के जीवन परिचय से अवगत करा सकेंगे तथा उनके सवैये पढ़ सकेंगे

2) बोधात्मक उद्देश्य :- छात्रों को रसखान के सवैये को पहचानने योग्य बना सकेंगे।

3) प्रयोगात्मक उद्देश्य :- छात्रों को चार्ट द्वारा सवैये पढ़ा सकेंगे।

4) कौशलात्मक उद्देश्य :- छात्र कविता का विश्लेषण कर सकेंगे।

सामान्य सामग्री :- चॉक, श्यामपट्ट, डस्टर, संकेतक आदि।

अनुदेशनात्मक सामग्री :-
चार्ट, उदाहरण द्वारा समझाना

पूर्व ज्ञान :-
छात्र रसखान के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना :-

छात्र अध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं
1. बच्चो कुछ कवियों के नाम बताओ।	कबीरदास, रसखान, कालीदास, तुलसीदास
2. तुलसीदास किसके भक्त थे तथा उनकी रचना किससे संबंधित है?	तुलसीदास राम के भक्त थे तथा उनकी रचना राम से संबंधित थे।
3. रसखान की रचना किससे संबंधित है?	कृष्ण के
4. रसखान की रचना किससे संबंधित है?	श्री कृष्ण से
5. रसखान की कुछ रचनाओं के बारे में बताओ।	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :-
अच्छा बच्चो, आज मैं आपको रसखान तथा उनकी रचना सवैये से परिचित कराऊँगी।

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट कार्य
रसखान का परिचय	रसखान का जन्म सन् 1548 ई० में हुआ था। उनका मूल नाम सैयद इब्राहिम था। और वे दिल्ली के आस-पास के रहने वाले थे। उनके गुरु गोस्वामी विट्ठलनाथ थे तथा यह कृष्ण भक्ति से इतना प्रेरित हुए कि ब्रज भूमि में जा बसे। सन् 1628 ई० में उनकी मृत्यु हो गई। सुजान, रसखान और प्रेमवाटिका उनकी उपलब्ध कृतियाँ है रसखान की रचना में ब्रजभाषा का अत्यंत सरस और मनोरम प्रयोग मिलता है।	ध्यानपूर्वक सुनते हैं।	जन्म - 1548 ई० मृत्यु - 1628 ई० कृतियाँ - सुजान रसखान प्रेमवाटिका भाषा - ब्रज
साराँश	यहाँ संकलित सवैये में कृष्ण और कृष्ण-भूमि के प्रति कवि का अनन्य समर्पण भाव व्यक्त हुआ है।	ध्यानपूर्वक सुनते हैं।	

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
आदर्श वचन	मनुष्य हो तो वही रसखानी बसौं ब्रज गोकुल के गाँव के ग्वारना जो पसु हौ तो कहा बस मेरा चरौं नितनंद की धेनु मँझारन। पाहन हो तो वही गिरी को जो कियो हरिछत्र पुरंदर धारन। जो खग हो तो बसेरो करौ मिलि कालिंदी कूल कदंब की डारन।	ध्यान पूर्वक सुनते है।	
अनुकरण वाचन	बच्चों इस कविता कोई एक पढ़ो	छात्र कविता पढ़ता है।	बसौ - बसना रहना कहा बस - बस मे न होना मंझारन - बीच मे गिरि - पहाड़ पुरंदर - इन्द्र
शब्दार्थ वाचन	बसौं - बसना, रहना कहा बस - बस मे न होना मंझा रन - बीच मे गिरि - पहाड़ पुरंदर - इन्द्र कालिंदी - यमुना	ध्यान- पूर्वक देखते है।	
भावार्थ	रसखान कहते हैं कि यदि मनुष्य हो तो मैं उस बृज गाँव के ग्वाल बाल के पास रहूँ और यदि मैं पशु होऊ तो नंद की गायों के बीच रहूँ। आगे कवि कहते है कि यदि मैं पत्थर	ध्यान पूर्वक सुनते है।	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र - क्रिया	श्यामपट्ट क्रिया
	होऊँ तो उसी पर्वत का जो भगवान कृष्ण ने अपनी अँगुली पर उठाये थे। और यदि मैं पक्षी होऊँ तो उसी यमुना नदी के किनारे जो कदम्ब का वृक्ष है, उसी पर मेरा बसेरा हो।		
सौंदर्य बोध	बच्चों, आप यह बताओ कि मंझारन तथा कालिंदी का क्या अर्थ होगा?	मंझारन - बीच में, कालिंदी - यमुना	
बोध प्रश्न	मनुष्य हो तो वही रसखान की बसौं ब्रज गोकुल गाँव के ग्वारन का क्या अर्थ होगा?	यहाँ रसखान कहते है कि हे प्रभु! यदि मैं मनुष्य होऊ तो मैं उसी गोकुल गाँव में रहूँ तथा उसी ग्वालों के बीच रहूँ।	
पुनः आदर्श वचन	(अध्यापिका कविता पढ़ती हैं)	साथ में छात्र पढ़ते है।	
पुनः अनुकरण वाचन	अध्यापिका छात्रों को एक साथ पढ़ने को कहती है।	छात्र - अध्यापिका के साथ पढ़ते है।	

मूल्यांकन –

1. यह कविता क्या है?
2. इस कविता के रचयिता कौन है?
3. इस कविता का संबंध किससे है?
4. इस कविता में कवि क्या कहना चाहता है? तथा उसकी इच्छा क्या है?

गृह कार्य :–

1. इस कविता का संदर्भ व्याख्या सहित लिखो।
2. रसखान का जीवन परिचय बताओ?
3. इस कविता में कवि क्या कहना चाहता है?

संदर्भ पुस्तिका –

प्रस्तुत पाठ्य-पुस्तक 'क्षितिज' हरियाणा शिक्षा बोर्ड द्वारा लिया गया है।

LESSON No. 2

Date ....

Duration of the period 20 मिनट

Pupil Teacher's Name मनजनी शहाव

Pupil Teacher's Roll No. ....

Class 7th

Average Age of the pupils ....

Subject हिन्दी

Topic अलंकार के भेद

विषय वस्तु विश्लेषण :–

छात्रों को अलंकार के भेदों से अवगत कराना।

सामान्य उद्देश्य :–

1) छात्रों को अलंकार के भेद बताना।
2) छात्रों को विषय का सामान्य ज्ञान कराना।
3) छात्रों में विचार विमर्श का विस्तार करना।
4) छात्रों के बौद्धिक विकास में सहायता करना।
5) छात्रों में लेखन कौशल वृद्धि करना।

अनुदेशात्मक उद्देश्य :–

(1) ज्ञानात्मक उद्देश्य :–

* छात्रों को अलंकार के भेद से अवगत करा सकेंगे
* छात्र अलंकार के भेद को जान सकेंगे।

(2) बोधात्मक उद्देश्य :–

* छात्र अलंकार के भेद से अवगत हो सकेंगे।
* छात्र उदाहरण के द्वारा अलंकार के भेद बता सकेंगे।

(3) प्रयोगात्मक उद्देश्य :–

* छात्र प्रयोग द्वारा बता सकेंगे।
* छात्र अलंकार के भेदों को चार्ट द्वारा अवगत करा सकेंगे।

(4) कौशलात्मक उद्देश्य :–

① छात्र अलंकार के भेदों का विश्लेषण कर सकेंगे।
② छात्र अलंकार के भेदों का संश्लेषण कर सकेंगे।

सामान्य सामग्री :-
चार्ट, श्यामपट्ट, डस्टर, संकेतक आदि।

अनुदेशनात्मक सामग्री :-
अलंकार के भेद का चार्ट, जिसमें अलंकार कितने प्रकार के होते हैं, बताया गया है।

पूर्वज्ञान :-
बच्चे अलंकार और अलंकार के भेदों से संबंधित सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना :-

क्र.स.	शिक्षाध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं
1.	काव्य की सुन्दरता किसके द्वारा बढ़ती है?	रस, छन्द, अलंकार
2.	रस किसे कहते हैं?	विभाव, अनुभाव और आभिचारी भाव के संयोग से रस की निष्पत्ति होती है
3.	रस के कितने भेद हैं?	नौ भेद
4.	अलंकार किसे कहते हैं?	जो किसी वस्तु को अलंकृत करे।
5.	अलंकार के कितने भेद हैं?	श्यामपट्ट पर प्रश्न

उद्देश्य कथन :-
अच्छा बच्चो, तो आज हम अलंकार के भेदों के बारे में पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षण बिन्दु	शिक्षाध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट कार्य
अलंकार का अर्थ	जो किसी वस्तु को अलंकृत करे, वह अलंकार है। जिस प्रकार आभूषण स्वर्ण से बनते हैं, उसी प्रकार अलंकार भी सुवर्ण से बनता है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	
अलंकार के भेद	अलंकार के तीन भेद होते हैं :- 1. शब्दालंकार, 2. अर्थालंकार 3. उभयालंकार। इन्हीं तीनों वर्गों के आधार पर अलंकार का अध्ययन होता है।		अलंकार के भेद 1. शब्दालंकार 2. अर्थालंकार 3. उभयालंकार
बोध प्रश्न	अलंकार किससे बनता है?	सुवर्ण से	
शब्दालंकार	शब्द के दो रूप होते हैं :- स्वर तथा ध्वनि। ध्वनि के आधार पर शब्दालंकार की सृष्टि होती है। शब्दालंकार के तीन भेद होते हैं :-	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट कार्य
	अनुप्रास, यमक तथा श्लेष अलंकार आदि।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	
अनुप्रास अलंकार	वर्णों की आवृत्ति को अनुप्रास अलंकार कहते हैं। जैसे – सेस, महेस, गनेस, दिनेस सुरेसहु जाहि निरंतर गावैं। यहाँ 'स' वर्ण की आवृत्ति अनेक बार हुई है।		
बोध प्रश्न	शब्दालंकार के कितने भेद हैं?	तीन भेद	
यमक अलंकार	जहाँ एक ही शब्द बार-बार आए और अर्थ अलग-अलग हो वहाँ यमक अलंकार होता है। जैसे :- कनक कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय, जो खाये बौराय, या पाये बौराय॥	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	
श्लेष अलंकार	एक शब्द के एक से अधिक अर्थ हों वहाँ श्लेष अलंकार होता है। उदाहरण – रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून। पानी गए न ऊबरे, मोती, मानुष, चून॥		

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट कार्य
अर्थालंकार	अर्थ को चमत्कृत या अलंकृत करने वाले अलंकार अर्थालंकार हैं। अर्थालंकार के ५ भेद हैं (1) उपमा (2) रूपक (3) उत्प्रेक्षा (4) अतिशयोक्ति		अर्थालंकार के भेद (1) उपमा (2) रूपक (3) उत्प्रेक्षा (4) अतिशयो
बोध प्रश्न	श्लेष अलंकार किसे कहते हैं?	एक शब्द एक से अधि अर्थ हो	
उपमा अलंकार	दो वस्तुओं से समान धर्म प्रतिदिन प्रतिपादन को उपमा कहते हैं। उपमा का अर्थ है समता, तुलना या बराबरी।		
(2) रूपक अलंकार	उपमेय मे उपमान का आरोप ही रूपक है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे है।	
(3) उत्प्रेक्षा अलंकार	उपमेय मे कल्पित उपमान की सम्भावना को उत्प्रेक्षा कहते है। जिस वाक्य मे जनु, जानो, मनु, मानों शब्द आये वहां उत्प्रेक्षा अलंकार होता है।		
(4) अतिशयोक्ति अलंकार	जहां किसी का वर्णन इतना बढ़-चढ़कर किया जाये कि सीमा या मर्यादा का उल्लंघन हो वहां अतिशयोक्ति अलंकार होता है।		

मूल्यांकन →

(1) अर्थालंकार किसे कहते है!
(2) अर्थालंकार के भेद बताओ।
(3) शब्दालंकार के भेद बताओ
(4) उत्प्रेक्षा अलंकार की पहचान क्या है!

ग्रह कार्य →

(1) अलंकार किसे कहते है! इसके कितने भेद है व्याख्या करो।
(2) यमक अलंकार की उदाहरण सहित परिभाषा दो।
(3) अतिशयोक्ति अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित बताओ।

संदर्भ पुस्तिका →

प्रस्तुत पाठ्य सामग्री हरियाणा बोर्ड कक्षा 7 की हिन्दी व्याकरण से ली गई है।

L.T.

LESSON No. 3

Date

Pupil Teacher's Name मनजनी शक्षाव

Duration of the period 20 मिनट

Class 7th

Pupil Teacher's Roll No.

Subject हिन्दी

Average Age of the pupils

Topic संज्ञा

विषय- वस्तु विश्लेषण →

छात्रों को संज्ञा से अवगत कराना तथा उसके भेदों के बारे मे बताना।

सामान्य उद्देश्य →

1. छात्रों को संज्ञा तथा उसके भेदों को बताना
2. छात्रों मे विचार- विमर्श का विस्तार कराना।
3. छात्रों के मानसिक व बौद्धिक विकास मे सहायता करना
4. छात्रों के विकास तथा विस्तार मे कल्पना- शक्ति कराना।
5. छात्रों को विषय के सबंध मे सामान्य ज्ञान वर्धित कराना।
6. छात्रों के लेखन- कौशल मे वृद्धि कराना।

अनुदेशनात्मक उद्देश्य →

(1) ज्ञानात्मक उद्देश्य –

(1) छात्र संज्ञा के बारे में जान सकेंगे।
(2) छात्र संज्ञा के भेद के बारे में समझ सकेंगे।

(2) बोधात्मक उद्देश्य –

(1) छात्र संज्ञा से अवगत हो सकेंगे।
(2) छात्र संज्ञा के भेद बता सकेंगे।

(3) प्रयोगात्मक उद्देश्य –

(1) छात्र प्रयोग द्वारा बता सकेंगे।
(2) छात्र उदाहरण द्वारा संज्ञा के भेद बता सकेंगे

(4) कौशलात्मक उद्देश्य —
(1) छात्र संज्ञा के भेदों का विश्लेषण करा सकेंगे।

सामान्य-सामग्री :-
चॉक, श्यामपट्ट, संकेतन, डस्टर आदि।

अनुदेशनात्मक सामग्री :-
संज्ञा तथा संज्ञा के कितने भेद हैं चार्ट द्वारा दर्शाया गया है।

पूर्व ज्ञान :-
बच्चे संज्ञा से संबंधित सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना :-

क्र.स.	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं
1	कर्ता किसे कहते हैं?	वाक्य में काम करने वाले को कर्ता कहते हैं।
2.	क्रिया किसे कहते हैं?	वाक्य में कर्ता के द्वारा जो कार्य किया जाता है।
3.	कर्म किसे कहते हैं?	कर्ता के द्वारा जो काम जिस स्थान या वस्तु पर किया जाता है वह कर्म है
4.	कर्ता को हम दूसरे किस नाम से जान सकते हैं?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :-
अच्छा बच्चो तो आज हम कर्ता के दूसरे नाम संज्ञा के बारे में पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्टक
संज्ञा का अर्थ	जिससे किसी विशेष वस्तु, भाव और जीव के नाम का बोध हो उसे संज्ञा कहते हैं।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	① जातिवाचक ② व्यक्तिवाचक ③ भाववाचक ④ समूहवाचक ⑤ द्रव्यवाचक
संज्ञा के भेद	संज्ञा के पाँच भेद होते हैं :- ① जातिवाचक ② व्यक्तिवाचक ③ भाववाचक ④ समूहवाचक ⑤ द्रव्यवाचक		
बोध प्रश्न	संज्ञा के कितने भेद हैं?	पाँच भेद हैं	
जातिवाचक संज्ञा	जिन संज्ञाओं से एक ही प्रकार की वस्तुओं अथवा व्यक्तियों का बोध हो, उन्हें जातिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे — मनुष्य, घर, पहाड़, नदी आदि।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	

शिक्षण-बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट कार्य
व्यक्तिवाचक संज्ञा	जिस शब्द से किसी एक वस्तु या व्यक्ति का बोध हो उसे 'व्यक्तिवाचक संज्ञा' कहते हैं। जैसे - श्याम, उत्तर भारत, अमेरिकी, काला, सागर, गंगा, हिमालय, अशोक मार्ग, चाँदनी चौक, रामचरित मानस, मई, होली आदि।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	
भाववाचक संज्ञा	जिस संज्ञा शब्द से व्यक्ति या वस्तु के गुण या वस्तु के धर्म, दशा अथवा व्यापार का बोध होता है उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं।		
बोध प्रश्न	भाववाचक संज्ञा का उदाहरण दो।	बुढ़ापा, गर्मी, अपनापन आदि	
समूहवाचक संज्ञा	जिस संज्ञा से वस्तु अथवा व्यक्ति के समूह का बोध हो, उसे समूहवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे - व्यक्ति का समूह - सभा, दल, गिरोह। वस्तुओं का समूह गुच्छा, कुंज, मण्डल आदि।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्टकार्य
द्रव्यवाचक संज्ञा	जिस संज्ञा से नापतोलवाली वस्तु का बोध हो उसे 'द्रव्य वाचक संज्ञा' कहते हैं। इस संज्ञा का सामान्यतः बहुवचन नहीं होता है। जैसे - लोहा, सोना, चाँदी, दूध, पानी, तेल आदि	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	

मूल्यांकन :-

① संज्ञा किसे कहते हैं?
② संज्ञा के भेद कौन - कौन से होते हैं?
③ जातिवाचक संज्ञा किसे कहते हैं?
④ व्यक्तिवाचक संज्ञा किसे कहते हैं?

गृह कार्य :-

① भाववाचक संज्ञा का निर्माण कैसे होता है?
② समूह वाचक संज्ञा किसे कहते हैं?
③ द्रव्यवाचक संज्ञा किसे कहते हैं?
④ संज्ञा के सभी भेदों की व्याख्या करो?

Lesson taught
Absent

संदर्भ पुस्तिका :-

प्रस्तुत पाठ्य सामग्री हरियाणा शिक्षा बोर्ड कक्षा 7 की पाठ्य पुस्तिका 'हिन्दी व्याकरण' से लिया गया है।

LESSON No. ...4......

Date..................

Duration of the period. २० मिनट

Pupil Teacher's Name मनजीत शाहव

Pupil Teacher's Roll No. ....

Class... 7th

Average Age of the pupils..................

Subject... हिन्दी

Topic... एक तिनका

विषय वस्तु विश्लेषण :-

छात्रों को 'एक तिनका' कविता पढ़ाना तथा उसका भावार्थ बताना ।

सामान्य उद्देश्य :-

(1) छात्रों को 'एक तिनका' नामक कविता से अवगत कराना
(2) छात्रों में विचार विमर्श का विस्तार करना ।
(3) छात्रों के बौद्धिक व मानसिक विकास में वृद्धि करना ।
(4) छात्रों में कल्पना शक्ति का विस्तार करना ।

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :-

(1) ज्ञानात्मक उद्देश्य :-

छात्र कविता के भावार्थ को समझ सकेंगे

(2) बोधात्मक उद्देश्य :-

छात्र कविता की व्याख्या तथा भावार्थ से अवगत हो सकेंगे।

(3) प्रयोगात्मक उद्देश्य :-

छात्र चार्ट या मॉडल द्वारा कविता को दर्शा सकेंगे ।

(4) कौशलात्मक उद्देश्य :-

छात्र कविता का विश्लेषण कर सकेंगे ।

सामान्य सामग्री :-
चॉक, श्यामपट्ट, डस्टर, संकेतक आदि

अनुदेशनात्मक सामग्री :-
चार्ट द्वारा कविता को दर्शाना।

पूर्व ज्ञान :-
छात्र कविता के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना :-

क्रम.	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं
1.	बच्चो! आपने कौन-कौन सी कविताएं पढ़ी हैं?	हम पक्षी उन्मुक्त गगन के, कठपुतली, श्याम एक किसान, रहीम के दोहे
2.	आपकी पुस्तक में 'अयोध्या सिंह उपाध्याय' ने कौन-सी कविता लिखी है?	एक तिनका
3.	'एक तिनका' कविता का भावार्थ बताओ?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :-
अच्छे बच्चो तो आज हम 'एक तिनका' नामक कविता पढ़ेंगे व उसका भावार्थ समझ

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षण-बिंदु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट कार्य
कवि-परिचय	'एक तिनका' नामक कविता को अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' ने लिखा है	छात्र ध्यानपूर्वक सुनते हैं।	
सारांश	इस कविता में कवि ने अपने बगीचे में आँख में तिनका पड़ने की घटना का वर्णन किया है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं।	
आदर्श वाचन	मैं घमंड में भरा ऐंठा हुआ, एक दिन जब था मुंडेर पर खड़ा। आ अचानक दूर से उड़ता हुआ, एक तिनका आँख में मेरी पड़ा।		
अनुकरण वाचन	कोई एक छात्र इस पद्यांश को पढ़े।	मैं घमंड में भरा ऐंठा हुआ, एक दिन जब था मुंडेर पर खड़ा। आ अचानक दूर से उड़ता हुआ, एक तिनका आँख में मेरी पड़ा।	
शब्दार्थ	मुंडेर - दीवार या छत का निकला		

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट का
	हुआ भाग। तिनका - घास का छोटा सा टुकड़ा ऐंठा हुआ - अकड़ा हुआ	छात्र ध्यानपूर्वक लिखते हैं।	
व्याख्या	कवि कहता है कि एक दिन जब वह घमंड से भरा अपने मकान की मुंडेर पर खड़ा था। उसी समय अचानक एक सूखी घास का तिनका हवा के झोंके के साथ आकर उसकी आँख में पड़ गया।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	मुंडेर - दीवार और छत को निकला हुआ भाग। तिनका - घास का छोटा सा टुकड़ा
बोध प्रश्न	यहाँ कवि ने किस चीज का वर्णन किया है?	अपने घमंड और आँख में पड़े तिनके का।	
आदर्श वाचन	मैं झिझक उठा बेचैन-सा, लाल होकर आँख भी दुखने लगी। मूठ देने लगे, लोग कपड़े की, ऐंठ बेचारी दबे पांवों भागी।	छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं।	
अनुकरण वाचन	इन पंक्तियों को कोई एक छात्र पढ़ो।	मैं झिझक उठा बेचैन-सा, लाल होकर आँख भी दुखने लगी। मूठ देने लगे, लोग	

शिक्षण-बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट क
		कपड़े की, ऐंठ बेचारी दबे पांवों भागी।	
शब्दार्थ	बेचैन-सा - व्याकुल होना दुखना - कष्ट या दर्द होना ऐंठ - अकड़न दबे पांवों भगना - चुपचाप भाग जाना।	छात्र ध्यान पूर्वक लिखते हैं।	बैचेन सा: व्याकुल हो दुखना - क महसूस होना ऐंठ - अकड़
व्याख्या	कवि कहता है कि उड़ते तिनके के आँख में पड़ते ही वह व्याकुल हो गया, वह झिझक उठा। उसकी आँखें लाल हो गई तथा दर्द होने लगा। कुछ लोग कपड़े को लपेट कर तिनका निकालने लगे। ऐसी दशा में कवि का सारा घमंड व अकड़ गायब हो चुका था मानो दबे पांव चुपचाप भाग गया हो।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	

मूल्यांकन :-
'एक तिनका' नामक कविता के लेखक कौन हैं?
1. यह कविता कवि ने किसके ऊपर लिखी है?
2. पहले पद्यांश में कवि ने किसका वर्णन किया है?
3. दूसरे पद्यांश में कवि ने किसका वर्णन किया है?
4.

गृह कार्य :-
1) इस कविता के रचयिता कौन हैं?
2) पहले पद्यांश की व्याख्या करो?
3) दूसरे पद्यांश की व्याख्या करो?
4) इस कविता से आप क्या समझते हो?

संदर्भ पुस्तिका :-
प्रस्तुत पद्यांश हरियाणा बोर्ड कक्षा 7 की हिन्दी पाठ्य पुस्तक से लिया गया है।

→ Introduction was good.
→ T. aids were used.
→ C.B.W. was satisfactory.

LESSON No. 5

Date ....

Duration of the period: 20 मिनट

Pupil Teacher's Name: मनजीत शहाग

Pupil Teacher's Roll No. ....

Class: 7th

Average Age of the pupils ....

Subject: हिन्दी

Topic: कर्ण

विषय वस्तु विश्लेषण :-
छात्रों को कर्ण के बारे में बताना तथा उसकी योग्यताओं से अवगत कराना।

सामान्य उद्देश्य :-
1) छात्रों को कर्ण के जीवन से परिचित कराना।
2) छात्रों में विचार विमर्श का विस्तार करना।
3) छात्रों के मानसिक व बौद्धिक विकास में सहायता
4) छात्रों में कल्पना शक्ति का विस्तार करना।

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :-

① ज्ञानात्मक उद्देश्य :-
1) छात्र कर्ण के विषय में जान सकेंगे।
2) छात्र कर्ण की योग्यताओं को समझ सकेंगे

② बोधात्मक उद्देश्य :-
1) छात्र कर्ण के जीवन से अवगत हो सकेंगे।
2) छात्र अच्छाई तथा बुराई का भेद बता सकेंगे।

③ प्रयोगात्मक उद्देश्य :-
1) छात्र कहानी के माध्यम से कर्ण के विषय में अवगत करा सकेंगे।

④ कौशलात्मक उद्देश्य :-
① छात्र कर्ण से संबंधित बातों का विश्लेषण कर सकेंगे।

सामान्य सामग्री :-
श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, संकेतक आदि

अनुदेशनात्मक सामग्री :-
चार्ट, मॉडल के द्वारा पाठ प्रस्तुत करना।

पूर्वज्ञान :-
छात्र कर्ण से सम्बंधित जानकारी रखते है।

प्रस्तावना :-

क्र.सं.	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं
1.	महाभारत का युद्ध किसके - किसके बीच हुआ ?	कौरवों और पांडवों के बीच
2.	पांडव कौन थे ?	राजा पांडु के पुत्र
3.	कौरव कौन थे ?	राजा धृतराष्ट्र के पुत्र
4.	पाँच पाण्डवों के अलावा कुन्ती का एक पुत्र और था। क्या आप उसका नाम बता सकते हो ?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :-
अच्छा बच्चो तो आज हम कुन्ती के छठे पुत्र कर्ण के बारे में पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षण-बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्टका
कर्ण	कर्ण, कुन्ती का पुत्र था। जो सूर्य के आशीर्वाद स्वरूप था। कुन्ती जब कुँवारी थी तभी कर्ण का जन्म हुआ। अपनी लाज बचाने के लिए कुन्ती ने कर्ण को नदी में बहा दिया। जिसका पालन पोषण अधिरथ नामक सारथी पुत्र ने किया।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे है।	
सारांश	इस कहानी में कर्ण की दानवीरता तथा मृदुवीरता का वर्णन किया गया है।		
कहानी का प्रस्तुतीकरण	सभी पाँडवों व कौरवों ने कृपाचार्य तथा द्रोणाचार्य से लगातार शिक्षा ली। शस्त्र विद्या लेने के बाद एक समारोह किया गया। जिसमें सबने अपनी-2 प्रतिभा दिखाई तथा प्रतिस्पर्धा देखने लायक थी। परन्तु तीर चलाने में अर्जुन के समान कोई न था। अर्जुन ने धनुर्विद्या में विशेष खेल दिखाया। जिसे देखकर दुर्योधन जल गया। इसी बीच एक शर्मीला युवक अर्जुन के सामने आखड़ा हुआ। वो कुन्ती पुत्र कर्ण था। उसने अर्जुन को	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे है।	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट कार्य
	ललकारा कि 'तुमने जो करतब दिखाए हैं मैं उनसे बढ़कर दिखा सकता हूँ।' दर्शक भौचक्के रह गये। दुर्योधन इस बात से प्रसन्नचित हो उठा। उसने कर्ण को अपनी छाती से लगा लिया और कहा "मैं तुम्हारी क्या सहायता कर सकता हूँ?" तब कर्ण बोला कि मैं अर्जुन के साथ द्वंद युद्ध करना चाहता हूँ। कर्ण की बात सुनकर अर्जुन बोला जो बिना बुलाये या पीछे बोलता है वह निन्दा के योग्य होता है। इसी बीच कृपाचार्य ने कर्ण से कहा कि तुम अपना परिचय दो। तुम कौन हो और किसके पुत्र हो। युद्ध बराबरी वालों से होता है। सूतपुत्र की इस बात से कर्ण का सिर झुक गया।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	
दोहा प्रश्न	इस कहानी में कर्ण ने किसको ललकारा?	अर्जुन	
कहानी का प्रस्तुती-करण	कर्ण को इस तरह निराश देखकर दुर्योधन बोला "अगर बराबरी की बात है तो मैं आज ही तुम्हें अंगदेश का राजा बनाता हूँ" पितामह भीष्म तथा पिता धृतराष्ट्र की अनुमति लेकर दुर्योधन ने सभा में ही कर्ण का राज्याभिषेक कर कर्ण को अंगदेश का राजा घोषित कर दिया। इतने में बूढ़ा सारथी अधिरथ	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट कार्य
	आ गया। कर्ण उसे देखकर पिता को बड़े आदर के साथ सिर नवाया। यह देखकर भीम खूब तेज हँस पड़ा और बोला — "सारथी के बेटे, धनुष छोड़ हाथ में चाबुक लो, चाबुक। वही तुम्हें शोभा देगा। तुम भला कब से अर्जुन के साथ द्वंदयुद्ध करने योग्य हो गए?" एक बार इन्द्र कर्ण से उसके कवच व कुण्डल माँगने आये। सूर्यदेव ने इन्द्र की इस चाल के बारे में कर्ण को पहले ही बता दिया। परन्तु कर्ण ने फिर भी कवच और कुण्डल इन्द्र को दे दिए। तब इन्द्र ने प्रसन्न होकर कर्ण को वर दिया। कर्ण ने वर के रूप में इन्द्र से शक्ति शस्त्र माँगा। इन्द्र ने कहा कि मैं तुम्हें शक्ति शस्त्र देता हूँ परन्तु तुम इसका प्रयोग एक ही बार कर सकोगे उसके बाद यह वापस मेरे पास आ जायेगा।	छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं।	
शब्दार्थ	रंगभूमि — मनोरंजन का स्थान द्वंद युद्ध — दो लोगों के बीच युद्ध	छात्र ध्यान पूर्वक लिख रहे हैं।	

मूल्यांकन :-
1) कर्ण किसका पुत्र था ?
2) कर्ण का पालन-पोषण किसने किया ?
3) कर्ण ने द्वन्द युद्ध के लिए किसको ललकारा ?
4) कर्ण ने राज्याभिषेक के समय किसको सिर नवाया ?

गृह कार्य :-

1) कर्ण कौन था ? उसका पालन-पोषण किसने किया ?
2) कर्ण को दुर्योधन ने अंगदेश का राजा क्यों बनाया ?
3) कर्ण ने अपना कवच-कुण्डल किसको दान में दिया ?
4) कर्ण का सिर रंगभूमि में क्यों झुक गया ?

संदर्भ पुस्तिका :-
प्रस्तुत पाठ्य सामग्री हरियाणा बोर्ड कक्षा 7 की पाठ्य पुस्तक 'बाल महाभारत कथा' से ली गई है।

Lesson Taught

LESSON No. 6.......

Date..........

Duration of the period 20 मिनट

Pupil Teacher's Name मनजनी शहाव

Pupil Teacher's Roll No. ....

Class 7th

Average Age of the pupils..........

Subject हिन्दी

Topic द्रौपदी - स्वंयवर

विषय वस्तु विश्लेषण :-
छात्रों को द्रौपदी स्वयंवर के बारे में बताना।

सामान्य उद्देश्य :-
* छात्रों को द्रौपदी-स्वयंवर से परिचित कराना।
* छात्रों में विचार विमर्श का विस्तार करना।
* छात्रों की बौद्धिक व मानसिक विकास में सहायता करना।
* छात्रों में कल्पना शक्ति का विस्तार करना।

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :-

(1) ज्ञानात्मक उद्देश्य :-
छात्र द्रौपदी-स्वयंवर के बारे में जान सकेंगे।

(2) बोधात्मक उद्देश्य :-
छात्र द्रौपदी-स्वंयवर में आए राजकुमारों का बोध करा सकेंगे।

(3) प्रयोगात्मक उद्देश्य :-
छात्र उदाहरण या कहानी द्वारा द्रौपदी स्वंयवर को दर्शा सकेंगे।

(4) कौशलात्मक उद्देश्य :-
छात्र द्रौपदी-स्वंयवर का विश्लेषण कर सकेंगे।

सामान्य सामग्री :-
श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, संकेतक आदि।

अनुदेशनात्मक सामग्री :-
चार्ट मॉडल या उदाहरण द्वारा प्रस्तुत करना

पूर्वज्ञान :-
छात्र द्रौपदी स्वंयवर के बारे में सामान्य जानकारी रखते

प्रस्तावना :-

क्र.स.	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं
1	महाभारत का युद्ध किस-किस के मध्य लड़ा गया?	कौरव तथा पाण्डव
2	पांडव कौन-कौन थे?	अर्जुन, भीम, नकुल, सहदेव और युधिष्ठर
3	अर्जुन ने जीते की मछली की आँख में तीर किस स्वयंवर में मारा?	द्रौपदी-स्वंयवर
4	द्रौपदी-स्वंयवर के विषय में विस्तार से बताओ।	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :-
अच्छा बच्चो आज हम द्रौपदी-स्वयंवर के बारे में विस्तार से पढ़ेंगे।

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट कार्य
सारांश	इस कहानी में पाँचों पांडव तथा द्रौपदी स्वयंवर में आए राजकुमारों का वर्णन किया गया है। तथा अर्जुन द्वारा मछली की आँख में तीर मारकर द्रौपदी स्वंयवर में विजयी होकर द्रौपदी को अपने साथ ले गए।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनते हैं।	
कहानी का प्रस्तुतीकरण	पांडव ब्राह्मण वेश में एकचक्रा नगरी में रह रहे थे। उसी समय पांचाल नरेश की पुत्री द्रौपदी का स्वंयवर रचा जा रहा था। पांडव भी उसी स्वयंवर में ब्राह्मण वेश में पहुँचे। उस स्वंयवर में कई देशों के राजा आए हुए थे। जिनमें मुख्यत: शिशुपाल, कर्ण, धृतराष्ट्र के सभी पुत्र, कृष्ण एवं जरासंध थे। घुमते चक्र पर एक सोने की मछली टंगी थी। धनुष से बाण चलाकर जो मछली की आंख में निशाना लगा देगा, उसी के साथ द्रौपदी का विवाह होना निश्चित था। द्रौपदी स्वंयवर को देखने के लिए दर्शकों की भारी भीड़		द्रौपदी का भाई धृष्टद्युम्न था।

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट
	थी। राजकुमार धृष्टद्युम्न सीधे घर सवार होकर आगे आया। उसके पीछे हाथी पर सवार द्रौपदी आई। हाथ में फूलों का हार लिए राजकन्या हाथी से उतरी और सभा में पदार्पण किया।		
बोध प्रश्न	इस कहानी में किसका वर्णन किया गया है?	द्रौपदी स्वंयवर में आए राजकुमार व पाँचों पाण्डव	
कहानी का प्रस्तुतीकरण	द्रौपदी स्वंयवर हेतु आए हुए राजकुमार एक-एक करके धनुष उठाते गए तथा डोरी न चढ़ने पर अपमानित होकर वापस बैठते गए। अब कर्ण ने जैसे ही धनुष की डोरी चढ़ाना शुरू किया, इतने में धनुष का सिरा उसके हाथ से छूट कर मुँह पर आ लगा। वह निराश होकर चुपचाप चुपचाप बैठ गया। इसके बाद ब्राह्मण वेशधारी अर्जुन के खड़े होते ही सारी सभा में कोलाहल मच गया। अर्जुन ने धनुष उठाकर प्रत्यंचा चढ़ाई और पाँचों बाण सीधे मछली की आँख में जा लगे और मछली नीचे गिर गई। द्रौपदी ने शर्माते हुए लेकिन प्रसन्नता पूर्वक अर्जुन को हार पहनाया	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट
	माता कुन्ती को यह खबर देने के लिए युधिष्ठिर, नकुल व सहदेव मण्डप से उठकर चले गए। परन्तु भीम वहीं खड़े रहे तभी क्रोध में आकर सभी राजकुमार अर्जुन को कुछ कर न दो राजकुमारों में भारी हलचल मच गई वे शोर मचाने लगे। यह देखकर श्रीकृष्ण बलराम व कुछ राजा उन्हें समझाने लगे। इसी बीच भीम, अर्जुन व द्रौपदी भी मण्डप से घर की ओर चल दिए। उन्हें जाता देख धृष्टद्युम्न भी उनके पीछे चले गए। कुटिया में पाँचों पाण्डव व माता कुन्ती को देखकर हैरान रह गए। उसने वापस लौटकर सारी बात अपने पिता को बताई। राजा द्रुपद अर्जुन जैसे धनुषधारी को अपनी बेटी देकर बहुत खुश थे। उन्हें अब द्रोणाचार्य की शक्ति से कोई भय नहीं था। माँ की आज्ञा और सबकी सम्मति से द्रौपदी के साथ पाँचों पाण्डवों का विवाह हो गया और वे सुख पूर्वक रहने लगे।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	

मूल्यांकन :-
1) द्रौपदी के स्वयंवर में कौन-कौन से राजा आए थे?
2) द्रौपदी के पिता का क्या नाम था? और वे कहाँ के राजा थे?
3) द्रौपदी के भाई का क्या नाम था?

गृह कार्य :-
1) द्रौपदी स्वयंवर में किसपर सवार होकर आई?
2) किस राजा के हाथ से धनुष का टुकड़ा टूटा?
3) पाण्डव किस भेष में स्वयंवर में आए?
4) अर्जुन ने स्वयंवर कैसे जीता?
5) धृष्टद्युम्न ने कुटिया में क्या देखा?

संदर्भ पुस्तिका :-
प्रस्तुत पाठ्य सामग्री हरियाणा शिक्षा बोर्ड की कक्षा 7वीं की पाठ्य पुस्तक 'बाल महाभारत कथा' से लिया गया है।

→ Lesson is introduced in proper way
→ Class interaction is good. Questions are asking to students.
→ T. aids are used.
Approved

Date.
LESSON No. 7
Pupil Teacher's Name मनजनी राघव
Duration of the period 20 मिनट
Class 7th
Pupil Teacher's Roll No.
Subject हिन्दी
Average Age of the pupils
Topic वचन

विषय वस्तु विश्लेषण –
छात्रो को ~~वचन~~ वचन के बारे मे बताना उसके भेद से अवगत करना।

सामान्य उद्देश्य :-
* छात्रों को वचन से अवगत कराना।
* छात्रों को वचन से सम्बन्धित सामान्य ज्ञान वर्धित कराना
* छात्रों में विचार विमर्श का विस्तार करना।
* छात्रों में कल्पना शक्ति का विकास करना।

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :-

(1) ज्ञानात्मक उद्देश्य :-
(1) छात्र वचन के बारे में जान सकेंगे।

(2) बोधात्मक उद्देश्य :-
छात्र वचन के भेदों का बोध करा सकेंगे।

(3) प्रयोगात्मक उद्देश्य :-
छात्र प्रयोग के द्वारा वचन के भेद बता सकेंगे।

(4) कौशलात्मक उद्देश्य :-
छात्र वचन का विश्लेषण कर सकेंगे।

सामान्य सामग्री :-
चॉक, श्यामपट्ट, डस्टर और संकेतक।

अनुदेशनात्मक सामग्री :-
चार्ट, मॉडल या फ्लैश कार्ड द्वारा वचन को प्रदर्शित करना।

पूर्व ज्ञान :-
छात्र वचन के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना :-

क्र.सं.	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया
1.	कर्ता किसे कहते हैं?	वाक्य में कार्य करने वाले को कर्ता कहते हैं।
2.	क्रिया किसे कहते हैं?	कर्ता द्वारा किए गए कार्य को क्रिया कहते हैं।
3.	कर्म किसे कहते हैं?	कर्ता के द्वारा किसी वस्तु पर किया गया कार्य कर्म कहलाता है।
4.	अगर वाक्य में दो कर्ता हो तो उसे कौन सी संज्ञा कहेंगे?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन-
अच्छे बच्चों आज मैं आपको वचन के बारे में बताऊँगी।

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
वचन	संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया के जिस रूप से संख्या का बोध हो, उसे 'वचन' कहते हैं। दूसरे शब्दों में संख्याबोधक के विकारी रूप का नाम 'वचन' है।	छात्र-ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	
वचन का शाब्दिक अर्थ	वचन का शाब्दिक अर्थ है-संख्या शाब्दिक वचन। 'संख्यावचन' को संक्षेप में ही वचन कहते हैं। वचन का अर्थ 'कहना' भी है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	(पुल्लिंग) संज्ञा जैसे — लड़का-लड़के गधा-गधे पहिया-पहिए घोड़ा-घोड़े
वचन के प्रकार	अंग्रेजी की तरह हिन्दी में भी वचन के दो प्रकार हैं — एकवचन और बहुवचन।		
एकवचन	विकारी शब्द में जिस रूप से एक पदार्थ या व्यक्ति का बोध होता है, उसे एकवचन कहते हैं। जैसे, नदी, लड़का, घोड़ा, बच्चा आदि।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	
बहुवचन	अविकारी शब्द के जिस रूप से अधिक पदार्थों अथवा व्यक्तियों का बोध होता है, उसे		

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट
	बहुवचन कहते हैं। जैसे – नदियाँ, लड़के, घोड़े, आदि।		
बोध-प्रश्न	वचन कितने प्रकार के होते हैं?	दो प्रकार के एकवचन और बहुवचन	
वचन के प्रकार	वचन के कारण सभी शब्दों, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया के रूप विकृत होते हैं। किन्तु यहाँ ध्यान देने की बात यह है कि यहाँ सर्वनाम, विशेषण और क्रिया के रूप मूलतः संज्ञाओं पर ही आश्रित हैं। इसलिए 'वचन' में संज्ञा शब्दों का रूपान्तर होता है। वचन के अधीन संज्ञा के रूप दो तरह से परिवर्तित होते हैं :– का विभक्ति रहित एवं विभक्ति सहित	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	
विभक्ति रहित संज्ञा को बहुवचन बनाने के नियम	पुल्लिंग संज्ञाओं के अकारांत को एकारांत कर देने से बहुवचन बनता है। जैसे– लड़का – लड़के, गधा – गधे, पहिया – पहिये, कपड़ा – कपड़े, घोड़ा – घोड़े, आदि।		
अपवाद	जैसे एकवचन - हरि तुम्हारे मामा हैं। बहुवचन - हरि और प्रेम तुम्हारे मामा हैं।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रिया		
	एकवचन - किशोर एक दाता है। बहुवचन - स्कूल के अनेक दाता हैं।		
अकारांत स्त्रीलिंग एकवचन	अकारांत स्त्रीलिंग एकवचन संज्ञा - शब्दों के अंत में 'ए' लगाने से बहुवचन बनता है। जैसे - शाखा - शाखाएँ, कामना - कामनाएँ	सभी छात्र ध्यान से सुन रहें है।	
बोध प्रश्न	एकवचन का उदाहरण दो।	बह, राम, घोड़ा गधा आदि।	
विभक्ति सहित संज्ञाओं के बहुवचन बनाने के नियम	अकारांत, आकारान्त तथा एकान्त संज्ञाओं में अंतिम 'अ' 'आ' या 'ए' के स्थान पर बहुवचन बनाने में 'ओं' कर दिया जाता है। जैसे - लड़का - लड़के, घर - घरों।	बच्चे ध्यान पूर्वक सुन रहे है।	अन्त में (ए) स्त्रीलिंग संज्ञा शाखा - शाखाएं कामना - कामनाएं
इकारांत और ईकारांत	जैसे मुनि - मुनियों, गली - गलियों, नदी - नदियाँ, रोटी - रोटियाँ, गोटी - गोटियाँ, चोटी - चोटियाँ		

मूल्यांकन ⟹

वचन किसे कहते है ?
1) वचन कितने प्रकार के होते है ?
2) संज्ञाओं के बहुवचन बनाने के
3) नियम कितने प्रकार के होते है ?

सन्दर्भ पुस्तिका ⟹

प्रस्तुत पाठ्य पुस्तक 'हिन्दी व्याकरण' हरियाणा शिक्षा बोर्ड कक्षा 7वीं के पुस्तक से लिया गया है।

→ Explanation was Satisfactory.

LESSON No. 8

Date ....

Duration of the period 20 मिनट

Pupil Teacher's Name मनस्वनी राघव

Pupil Teacher's Roll No. ....

Class 7th

Average Age of the pupils ....

Subject हिन्दी

Topic भीम और हनुमान

विषय-वस्तु विश्लेषण :—

छात्रों को भीम और हनुमान की कहानी सुनाना।

सामान्य उद्देश्य :—

1. छात्रों को भीम और हनुमान से अवगत कराना।
2. छात्रों का विचार-विमर्श का विस्तार करना।
3. छात्रों के मानसिक और बौद्धिक विकास में सहायता करना।
4. छात्रों की कल्पना शक्ति का विस्तार करना।
5. छात्रों को विषय से संबंधित सामान्य ज्ञान वर्धित करना
6. छात्रों के लेखन-कौशल में वृद्धि करना।

→ अनुदेशनात्मक उद्देश्य ←

ज्ञानात्मक उद्देश्य :—

छात्र भीम और हनुमान नामक कहानी के बारे में जान सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य :—

छात्र भीम और हनुमान में भेद बता सकेंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :—

छात्र प्रयोग तथा कहानी सुनाकर 'भीम और हनुमान' नामक कहानी को प्रदर्शित कर सकेंगे।

कौशलात्मक उद्देश्य :— छात्र 'भीम और हनुमान' नामक कहानी का विश्लेषण कर सकेंगे।

सामान्य सामग्री :— चाक, श्यामपट्ट, डस्टर और संकेतक।

अनुदेशात्मक सामग्री :— चार्ट, मॉडल या फ्लैश कार्ड द्वारा कहानी प्रस्तुत करना।

पूर्व ज्ञान :— छात्र भीम और हनुमान के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना

छात्रा अध्यापिका क्रिया	छात्र - क्रिया
1. कुंती कौन थी?	पांचों पांडवों की माँ
2. द्रौपदी कौन थी?	पाँचों पांडवों की पत्नी
3. पाँच पांडवों के नाम बताओ?	अर्जुन, भीम, युधिष्ठिर नकुल, सहदेव
4. भीम और हनुमान की कोई कहानी आपने पढ़ी है?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :— अच्छा बच्चों आज मैं आपको 'भीम और हनुमान के बारे में बताऊंगी

शिक्षण बिंदु	अध्यापिका - क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
सारांश	इस कहानी में भीम और हनुमान के बारे में बताया गया है। इस कहानी में एक फूल पता नहीं कहाँ से उड़कर द्रौपदी के सामने गिर जाता है। और द्रौपदी को वह फूल अच्छा लगता है और वह युधिष्ठिर से और फूल मांगती है। तो भीम लाने के लिए जाते हैं। वैसा ही फूल और उनका मिलन एक बन्दर से होता है	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	
कहानी का प्रस्तुतिकरण	एक दिन बहुत सुहावना मौसम था। द्रौपदी आश्रम के बाहर खड़ी थी। इतने में एक सुन्दर फूल को देखकर भीम से इस प्रकार के अनेक फूल लाने को कहा। भीम फूल लेने चल पड़े। वे चलते - चलते घाटी में पहुंच गए। जहाँ केले के पेड़ों का एक विशाल बगीचा लगा हुआ है। वहाँ एक बड़ा बंदर सोया हुआ था। भीम पर लगते ही वह बंदर उठ गया। भीम से बोला कि तुमने मुझे क्यों उठाया है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	उस बंदर की बात सुनकर भीम बोले तुम्हें पता नहीं मैं कौन हूँ। मैं कुरुवंश का राजकुमार हूँ। तब बन्दर बोला तुझे जाना है तो मुझे लाँघकर चले जाओ। तब भीम बोला जानवर को लाँघना अनुचित होगा।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	
	यह सुनकर बन्दर ने कहा कि यदि तुम लाँघना नहीं चाहते तो मेरी पूँछ को उठाकर दूसरी तरफ रख दो और चले जाओ।		
	भीम ने पूँछ को उठाने का काफी प्रयत्न किया। परन्तु सब व्यर्थ गया। भीम शर्मिन्दा हुए तथा उनका गर्व चूर-चूर हो गया। उसे बड़ा आश्चर्य हुआ कि मुझसे ताकतवर यह कौन है?		
	वह नम्र हो गया और बोला "मुझे क्षमा करें। आप कौन हैं?"		
	हनुमान ने कहा कि "हे! पांडवेश! मैं हनुमान हूँ।"		

शिक्षणबिन्दु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	भीम बोला "हे! श्रेष्ठ वानरराज मुझसे भाग्यवान और कौन होगा, जो आपके दर्शन प्राप्त हुए।" यह कहकर भीम ने हनुमान को दण्डवत प्रणाम किया।		
	मारुति ने आशीर्वाद देते हुए कहा — "भीम! युद्ध के समय तुम्हारे भाई अर्जुन के रथ पर उड़ने वाले ध्वजा पर मैं विद्यमान रहूँगा। विजय तुम्हारी ही होगी। उसके बाद हनुमान ने भीमसेन को पास के झरने में खिले हुए सुगंधित फूल दिखाए। फूलों को देखते ही भीमसेन को द्रौपदी का स्मरण हो आया। उसने जल्दी से फूल तोड़े और वेग से आश्रम की ओर लौटे।		

मूल्यांकन →

द्रौपदी को क्या अच्छा लगा ?
1. द्रौपदी ने फूल लेने के लिए किसको भेजा ?
2. भीम को बन्दर से मिलन कहाँ हुआ ?
3. बन्दर रूप में यह कौन था ?
4. उसने भीम को क्या आशीर्वाद दिया ?
5.

संदर्भ पुस्तिका →

प्रस्तुत पाठ्य-पुस्तक 'हिन्दी के बाल महाभारत कथा' नामक पुस्तक से लिया गया है। जो कक्षा 7 की है।

LESSON No. 9

Date..........

Pupil Teacher's Name मन्जली राघव

Duration of the period 20 मिनट

Class 7th

Pupil Teacher's Roll No. [illegible]

Subject हिन्दी

Average Age of the pupils..........

Topic अभिमन्यु

विषय-वस्तु विश्लेषण

सामान्य उद्देश्य

1. छात्रों को अभिमन्यु की कहानी से अवगत कराना।
2. छात्रों के विचार-विमर्श का विस्तार करना।
3. छात्रों के मानसिक तथा बौद्धिक विकास में सहायता करना।
4. छात्रों की कल्पना शक्ति का विस्तार कराना।
5. छात्रों को विषय से संबंधित सामान्य ज्ञान वर्धित कराना।
6. छात्रों को लेखन कौशल में वृद्धि कराना।

अनुदेशनात्मक सामग्री –

ज्ञानात्मक सामग्री →

छात्र अभिमन्यु के बारे में जान सकेंगे।
छात्र अभिमन्यु के जीवन से अवगत हो सकेंगे।

बोधात्मक सामग्री →

छात्र अभिमन्यु के जीवन के बारें में भेद बता सकेंगे।

प्रयोगात्मक सामग्री →

छात्र कहानी सुनाकर के या उदाहरण द्वारा अभिमन्यु के जीवन से अवगत कर सकेंगे।

कौशलात्मक उद्देश्य →

छात्र कहानी का विश्लेषण कर सकेंगे

सामान्य सामग्री → चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट और संकेत

अनुदेशनात्मक सामग्री → चार्ट मॉडल तथा फ्लैश कार्ड द्वारा पढ़ाया गया।

पूर्व-ज्ञान → छात्र अभिमन्यु के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना →

	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया
	कुंती कौन थी?	पांडवों की माँ
2.	महाभारत का युद्ध किसके बीच हुआ?	कौरव और पांडवों के बीच।
3.	पांडवों की पत्नी का क्या नाम था?	द्रौपदी
4.	अर्जुन की एक पत्नी और थी? जिनका पुत्र अभिमन्यु था?	सुभद्रा
5.	सुभद्रा के पुत्र का क्या नाम था?	समस्यात्मक प्रश्न

प्रस्तुति उद्देश्य कथन ⟹ आज मैं तुम्हें सुभद्रा के पुत्र के बारे में बताऊँगी।

प्रस्तुतिकरण ⟹

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका - क्रिया	छात्र-क्रिया श्यामपट्ट कार्य
सारांश	इस कहानी में सुभद्रा के पुत्र अभिमन्यु का वर्णन किया गया है। इसमें अभिमन्यु को युधिष्ठिर कहते हैं कि बेटा, युद्ध के लिए आगे बढ़ो। तुम्हारे साथ कई वीर हैं, तुम्हीं चक्रव्यूह तोड़ सकते हो। इस कहानी में चक्रव्यूह में अभिमन्यु की मृत्यु हो जाती है।	
कहानी का प्रस्तुतीकरण	तेरहवें दिन भी संशप्त ने अर्जुन को युद्ध के लिए ललकारा। द्रोणाचार्य ने इसके लिए चक्रव्यूह की रचना की। सुभद्रा पुत्र अभिमन्यु अभी बालक था। परंतु वह अर्जुन की तरह वीर था। युधिष्ठिर ने कहा कि बेटा तुम चक्रव्यूह को नष्ट कर सकते हो। इसलिए युद्ध में आगे बढ़ो। वे बोले कि मुझे इस व्यूह से निकलना नहीं आता। युधिष्ठिर बोले कि पांडव से कई वीर तुम्हारे साथ-2 चलेंगे। चक्रव्यूह नष्ट	

शिक्षण-बिंदु	छात्राध्यापिका-क्रिया	छात्र-क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	होते ही हम कौरव सेना को नष्ट करेंगे। उसे सारथी को भी उत्साहित किया। तथा द्रोण की तरफ रथ बढ़ाया। अभिमन्यु चक्रव्युह में प्रवेश कर गया। परंतु जयद्रथ के कारण अन्य वीर इस व्युह में प्रवेश नहीं कर सके। जयद्रथ के कारण अन्य वीर चक्रव्युह में प्रवेश नहीं कर सके। उधर अभिमन्यु युद्ध कर रहा था, उसी समय दुर्योधन का एक बेटा युद्ध में अभिमन्यु के हाथों मारा गया। कौरव सेना ने अभिमन्यु का धनुष काट दिया। साथ ही उसके घोड़े, रथ, और सारथी नष्ट कर दिये। उसने टूटे रथ का पहिया उठा लिया और युद्ध करने लगा। वह गदा उठाकर दुशासन पुत्र से गदा युद्ध करने लगा अंत में दुशासन पुत्र		

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका - कार्य	छात्र-क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	का एक वार अभिमन्यु पर पड़ गया और वह मृत्यु को प्राप्त हो गया। अभिमन्यु की मृत्यु का समाचार जब युधिष्ठिर ने सुना तो उसने अर्जुन को बताया तो अर्जुन मुर्छित हो गया। होश आने पर उसने अगले दिन जयद्रथ युद्ध वध सूर्यास्त से पहले करने की ठान ली। दुर्योधन ने जयद्रथ को आशवासन देते हुए कहा कि वह उसे अवश्य बचाएगा। कौरव सेना को एक तरीके से प्रस्तुत होना था। द्रोण ने युद्ध क्षेत्र से बारह मील दूर जयद्रथ को सुरक्षित कर रखा था। अर्जुन वहीं पहुंच गए। तथा दुर्योधन चिंता करने लगे।		

मूल्यांकन ⟹

1. अभिमन्यु किसका पुत्र था ?
2. अभिमन्यु को युद्ध के लिए किसने प्रोत्साहित किया था।
3. अभिमन्यु ने कौन-सा युद्ध किया था
4. अभिमन्यु की मृत्यु किसकी गदा से हुई थी?

संदर्भ पुस्तिका :-

प्रस्तुत पाठ्य-पुस्तक 'बाल महाभारत कथा' हरियाणा शिक्षा-बोर्ड द्वारा 7वीं कक्षा की पुस्तक से लिया गया है।

Lesson taught with the help of chart. Afterwards

LESSON No. ...10...

Date....................

Pupil Teacher's Name ...सजनी राघव...

Class...7th...

Subject...हिन्दी...

Duration of the period...20 मिनट...

Pupil Teacher's Roll No.....................

Average Age of the pupils....................

Topic...अश्वत्थामा...

विषय-वस्तु विश्लेषण :-

छात्रों को अश्वत्थामा के बारें में बताना।

सामान्य उद्देश्य

1. छात्रों को अश्वत्थामा से अवगत कराना।
2. छात्रों के विचार-विमर्श का विस्तार करना
3. छात्रों के मानसिक व बौद्धिक विकास में सहायता करना।
4. छात्रों को विषय से संबंधित सामान्य ज्ञान वर्धित करना।
5. छात्रों के लेखन-कौशल में वृद्धि करना।

-: अनुदेशनात्मक उद्देश्य :-

ज्ञानात्मक उद्देश्य :-

छात्र अश्वत्थामा के बारें में जान सकें।

बोधात्मक उद्देश्य :-

छात्र अश्वत्थामा के जीवन संबंधी भेद बता सकेंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :-

छात्रों को कहानी सुनाकर अश्वत्थामा से परिचित करा सकेंगे।

कौशलात्मक उद्देश्य :-

छात्र अश्वत्थामा का विश्लेषण कर सकेंगे।

सामान्य सामग्री :— चॉक, श्यामपट्ट, डस्टर तथा संकेत

उद्देश्यानात्मक सामग्री :— चार्ट, मॉडल, फ्लैश कार्ड की के कार्ड से कहानी पढ़ना।

पूर्व-ज्ञान :— छात्र अश्वत्थामा के बारे में कुछ जानकारी रखते हैं।

छात्राध्यापिका- क्रिया	छात्र- क्रिया
1. महाभारत का युद्ध किसके बीच हुआ था?	कौरव और पांडवों के बीच
2. पांडवों के गुरु कौन थे?	कृपाचार्य और द्रोणाचार्य
3. द्रोणाचार्य के पुत्र कौन थे?	अश्वत्थामा
4. अश्वत्थामा के बारे में आप क्या जानते हैं?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य-कथन :— आज मैं तुम्हें अश्वत्थामा के बारे में जानकारी दूंगी बताऊंगी।

प्रस्तुतिकरण :—

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापक - क्रिया	छात्र- क्रिया	श्यामपट्ट क्रिया
सारांश	इस कहानी में द्रोणाचार्य के पुत्र अश्वत्थामा का वर्णन किया गया है। जिसने महाभारत के युद्ध में कौरवों के पक्ष से युद्ध किया था। इसने ही द्रोपदी के सभी पुत्रों का वध किया था। और अंत में भीमसेन अर्थात भीम के बीच युद्ध हुआ। जिसने अब अश्वत्थामा पराजित हुआ।		
कहानी का प्रस्तुतिकरण	महाभारत के युद्ध में दुर्योधन पर जो कुछ बीती उसका हाल सुनकर अश्वत्थामा बहुत क्षुब्ध हो उठा। उसके पिता द्रोणाचार्य को मारने के लिए जो कुचक्र रचा गया था, वह उसे भूला नहीं था। वह उस स्थान पर पहुंचा जहां दुर्योधन मृत्यु की प्रतीक्षा करता हुआ पड़ा था। दुर्योधन की इस प्रकार की स्थिति देखकर अश्वत्थामा दुःखी हो गया था। वह बोला पांडवों का आज रात को नाश कर दूँगा।		

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापक - कार्य	छात्र - क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	यह सुनकर दुर्योधन खुश हुआ और तथा उसने अश्वत्थामा को तुरंत सेनापती बना दिया। वह सोते हुए पांडवों को उनको शिविर में गया और उसने सबसे पहले धृष्ट० प्रद्युम्न को मारा। जो द्रौपदी का भाई था। उसने सभी पंचाल वीरों और तथा सभी द्रौपदी पुत्रों की मृत्यु कर दी। कृपाचार्य तथा कृतवर्मा ने शिविरों में आग लगा दी। पांडवो के सारे सैनिकों को अश्वत्थामा ने बड़ी निर्दयता के साथ मारा डाला। उसने आकर दुर्योधन को बताया कि सारे पांडव मारे गए। पांडव पक्ष में सात तथा हमारे पक्ष में तीन वीर बचे है।	सभी बच्चे ध्यान पूर्वक सुन रहे है।	

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापक - कार्य	छात्र - कार्य	श्यामपट्ट कार्य
	यह सुनकर दुर्योधन ने प्रसन्नचित होकर प्राण त्याग दिए। द्रौपदी का करूणाविलाप अब देखा नहीं जा रहा था। उसकी यह स्थिती देखकर पांडव गंगा नदी की ओर छिपे अश्वत्थामा की ओर पहुँचे। पांडव वंश का नामोनिशान मिट गया होता परंतु उत्तरा के गर्भ में एक बालक अभी बचा था। उसी समय उत्तरा ने परीक्षित जन्म दिया। अंत में अश्वत्थामा पराजित और मृत्यु को प्राप्त हुआ। हस्तिनापुर में चारों ओर विलाप चल रहा था।	छात्र ध्यान से सब सुन रहे थे।	

मूल्यांकन ⟹

अश्वत्थामा कौन था ?
1. उत्तरा का पुत्र कौन था ?
2. सर्वप्रथम अश्वत्थामा का ने किसको मारा ?
3. अश्वत्थामा का युद्ध किसके साथ हुआ ?
4.

संदर्भ पुस्तिका ⟹

प्रस्तुत पाठ्य पुस्तक 'हिन्दी बाल महाभारत कथा' हरियाणा शिक्षा बोर्ड के कक्षा 7 की पुस्तक से लिया गया है।

Satpal

LESSON No. 11

Date

Pupil Teacher's Name अन्जली शर्मा

Duration of the period 30 मिनट

Class 7th

Pupil Teacher's Roll No.

Subject हिन्दी

Average Age of the pupils

Topic राष्ट्रीय प्रतीक

विषय वस्तु विश्लेषण :-

छात्रों को राष्ट्रीय प्रतीक से अवगत कराना।

सामान्य उद्देश्य :-

1. छात्रों में राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति सम्मान उत्पन्न करना।
2. छात्रों में बौद्धिक शक्ति का विकास करना।
3. छात्रों में कल्पना शक्ति का विकास करना।
4. छात्रों में विचार विमर्श का विकास करना।
5. छात्रों के लेखन कौशल में वृद्धि करना।

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :-

ज्ञानात्मक उद्देश्य :-

छात्र राष्ट्रीय प्रतीक के बारे में जान सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य :-

छात्र राष्ट्रीय प्रतीक के महत्व को जान सकेंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :-

छात्र चित्रों द्वारा राष्ट्रीय प्रतीकों का अध्ययन कर सकेंगे।

कौशलात्मक उद्देश्य :-

छात्र राष्ट्रीय प्रतीकों का विश्लेषण कर सकेंगे।

सामान्य सामग्री :-

चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, संकेतक आदि।

अनुदेशनात्मक सामग्री :-
चार्ट, मॉडल या फ्लैश कार्ड के माध्यम से राष्ट्रीय प्रतीकों को प्रस्तुत करना।

पूर्व ज्ञान :-
छात्र राष्ट्रीय प्रतीकों के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना :-

छात्र-अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया
1. भारत का राष्ट्रीय ध्वज कौन सा है?	तिरंगा
2. तिरंगे में कितने रंग हैं?	तीन रंग
3. वह तीन रंग कौन-से हैं?	केसरिया, सफ़ेद, हरा
5. भारत में तिरंगे को राष्ट्रीय ध्वज के रूप में कब प्रदर्शित किया गया?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :-
अच्छा बच्चो! आज हम राष्ट्रीय प्रतीकों के बारे में पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षण बिंदु	छात्र अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट
राष्ट्रीय प्रतीक	हमारे देश भारत के कुछ राष्ट्रीय प्रतीक या चिह्न निश्चित किए गए जैसे राष्ट्रीय पक्षी, राष्ट्रीय पशु, राष्ट्रीय पुष्प, राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रीय गान, राष्ट्रीय गीत आदि। सारे देश की जनता को इनका सम्मान करना आवश्यक है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	
राष्ट्रीय पक्षी-मोर	मोर को भारत के राष्ट्रीय पक्षी के रूप में स्वीकार किया गया। जो बादलों की घनघोर घटाओं और को सुनकर प्रसन्नचित हो जाता है और अपने ऊँचे स्वर में बोलता है तथा नृत्य करता है। यह नृत्य मन को हरने वाला होता है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	
राष्ट्रीय पुष्प-कमल	कमल को भारत के राष्ट्रीय पुष्प के रूप में स्वीकार किया गया। यह कीचड़ में उत्पन्न होता है तथा उचित अवसर के पाकर यह विकसित	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	होता है तथा खिलता है। उसी प्रकार किसी भी पुत्र में उत्पन्न मनुष्य ~~अवसर~~ उचित अवसर पाकर अपनी सफलता की सीढ़ियों को चूमता है।	छात ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	
बोध प्रश्न	भारत का राष्ट्रीय पक्षी कौन है?	मोर	
राष्ट्रीय गान	भारत का राष्ट्रीय गान गुरुदेव रविन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा रचित 'जन-गण-मन' है। इसको संविधान में 24 जनवरी 1950 में भारत का राष्ट्रीय गान स्वीकार किया गया। इसको गायन का समय 52 सैकेंड है। इसका उतार-चढ़ाव भी निश्चित होता है। इसे रविन्द्रनाथ ठाकुर ने सन् 1912 में तत्वबोधिनी पत्रिका से प्रकाशित किया था।	छात ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	
बोध प्रश्न	भारत का राष्ट्रीय गान संविधान में कब स्वीकार किया गया?	24 जनवरी, 1950	
राष्ट्रीय ध्वज	तिरंगे को भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में स्वीकार किया		

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट
	गया। जिसमें तीन रंग मौजूद होते हैं। सबसे ऊपर केसरिया, बीच में सफेद और नीचे हरा रंग होता है। केसरिया रंग त्याग, स्फूर्ति, वीरता तथा बलिदान का सूचक है। सफेद रंग शांति और अमन का सूचक है। हरा रंग हरियाली व खुशहाली का सूचक माना जाता है। तथा तिरंगे के मध्य में अशोक चक्र भी होता है।	छात ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	
बोध प्रश्न	सफेद रंग किसका सूचक है?	अमन और शांति	
राष्ट्रीय गीत	भारत का राष्ट्रीय गीत बंकिमचन्द्र चटर्जी द्वारा रचित 'बन्दे मातरम' है। इसे 26 जनवरी 1950 को राष्ट्रीय गीत के रूप में स्वीकार किया गया। इस गीत को गाने का निर्धारित कुल समय 1 मिनट 20 सेकेन्ड का होता है।	छात ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	

मूल्यांकन :-
① हमारा राष्ट्रीय ध्वज क्या है?
② हमारा राष्ट्रीय ध्वज कितने रंगों का है?
③ हमारा राष्ट्रीय पुष्प कौन-सा है?
④ राष्ट्रीय गान को गाने में कितना समय लगता है?

गृह कार्य :-

संदर्भ पुस्तिका :-
प्रस्तुत पाठ्य सामग्री कक्षा हरियाणा शिक्षा बोर्ड कक्षा सातवीं की 'हिन्दी' पाठ्य पुस्तक से लिया गया है।

Parmila

Date..............................

LESSON No. 12

Pupil Teacher's Name मनजनी राघव

Duration of the period 20 मिनट

Class पंचम

Pupil Teacher's Roll No. ....

Subject हिन्दी

Average Age of the pupils ....

Topic वाक्य के प्रकार

विषय वस्तु विश्लेषण :-
छात्रों को वाक्य के प्रकार से अवगत कराना।

सामान्य उद्देश्य :-
① छात्रों को वाक्यों के प्रकार से परिचित कराना।
② छात्रों में विचार विमर्श का विस्तार करना।
③ छात्रों में लेखन कौशल वृद्धि करना।
④ छात्रों में कल्पना शक्ति का विस्तार करना।
⑤ छात्रों के मानसिक विकास में सहायता करना।

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :-

ज्ञानात्मक उद्देश्य :-
छात्र वाक्य के प्रकार के बारे में जान सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य :-
छात्र वाक्य के प्रकार का भेद बता सकेंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :-
छात्र उदाहरण द्वारा वाक्य के प्रकार समझा सकेंगे।

कौशलात्मक उद्देश्य :-
छात्र वाक्य के प्रकार का विश्लेषण कर सकेंगे।

सामान्य सामग्री :-
चॉक, श्यामपट्ट, डस्टर, संकेतक आदि।

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :-
चार्ट या मॉडल द्वारा वाक्य के प्रकार को दर्शाना।

पूर्व ज्ञान :-
छात्र वाक्य के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना :-

छात्र अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया
1. वर्ण किसे कहते हैं?	स्वर और व्यंजन के मेल को
2. शब्द कैसे बनता है?	वर्णों के मेल से
3. वाक्य कैसे बनता है?	शब्दों के मेल से
4. वाक्य कितने प्रकार के होते हैं?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :-
अच्छा बच्चो आज हम वाक्यों के प्रकार के बारे में पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
वाक्य के प्रकार रचना के आधार पर	रचना के आधार पर वाक्य के तीन प्रकार माने गये हैं :- (क) सरल वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य (ग) मिश्र वाक्य सरल → मोहन ने खाना खाया। संयुक्त → मोहन स्कूल जाता है और मन लगाकर पढता है। मिश्र → हम जानते हैं कि वे आज नहीं आएंगे जबकि आज उनकी अत्यंत आवश्यकता है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	
बोध प्रश्न	रचना के आधार पर वाक्य के कितने प्रकार होते हैं?	तीन प्रकार सरल, संयुक्त, मिश्र	
अर्थ के आधार पर	अर्थ के आधार पर वाक्य के आठ प्रकार होते हैं :- विधानवाचक 7. संदेहबोधक 1. निषेधात्मक 8. अर्थबोधक 2. आज्ञावाचक 3. प्रश्नवाचक 4. विस्मयादिबोधक 5. इच्छा बोधक 6.	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
1. विधान वाचक वाक्य	इसमें किसी बात या कार्य के होने का बोध होता है। जैसे — प्रधान-मंत्री ने लाल किले पर झंडा फहराया।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	
2. निषेधात्मक वाक्य	इसमें किसी बात या कार्य के न होने का बोध या भाव प्रकट होता है। जैसे — मैं कुछ नहीं कर सकी।		
3. आज्ञा वाचक वाक्य	इसमें किसी कार्य या बात के लिए आज्ञा, प्रार्थना या उपदेश का भाव होता है। जैसे — यहाँ से चले जाओ।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	
4. प्रश्नवाचक वाक्य	इसमें किसी प्रश्न के पूछे जाने का बोध होता है। जैसे — तुमने इतनी देर कहाँ लगा दी।		
5. विस्मयादि बोधक	इसमें विस्मय, क्रोध, घृणा, करुणा आदि का भाव होता है। जैसे — वाह! क्या चित्र बनाया है।		
6. शुभकामना बोधक	इसमें अच्छा, शुभकामना, अभिशाप आदि का भाव प्रकट होता है।		

शिक्षण बिंदु	छात्र अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	जैसे — तुम्हारा कल्याण हो।		
7. संदेह बोधक वाक्य	इसमें संदेह या संभावना का बोध होता है। जैसे — हो सकता है कि आज वर्षा हो।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	
8. शर्त बोधक वाक्य	इसमें एक बात या कार्य का होना या न होना दूसरी बात या कार्य पर निर्भर करता है। जैसे — यदि वर्षा न होती तो, अकाल पड़ जाता।		

मूल्यांकन :-

वाक्य कितने प्रकार के होते हैं?

1. रचना के आधार पर वाक्य कितने प्रकार
2. के होते हैं?

अर्थ के आधार पर वाक्य कितने प्रकार
3. के होते हैं?

गृह कार्य :-

संदर्भ पुस्तिका :-

प्रस्तुत पाठ्य सामग्री हरियाणा शिक्षा बोर्ड कक्षा सातवीं की पुस्तक 'हिन्दी व्याकरण एवं रचना' से ली गई है।